दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -168 जबलपुर, बुधवार 29 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरूण श्रीवास्तव

पेपर लीक कानून होगा और सख्त, 10 साल तक जेल, 50 लाख रुपये जुर्माना और दो महीने में जांच का प्रावधान

नई दिल्ली.(आरएनएस) देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की बढ़ती घटनाओं पर सख्त रोक लगाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू कर दी है. प्रस्तावित संशोधन के जरिए पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी से जुड़े अपराधों के लिए सजा और आर्थिक दंड को पहले से कहीं अधिक कठोर बनाने का प्रावधान किया गया है. साथ ही जांच और मुकदमे की समय-सीमा तय कर मामलों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित करने की व्यवस्था भी प्रस्तावित की गई है.

यह विधेयक ऐसे समय लाया गया है, जब हाल के महीनों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में छात्रों और युवाओं का व्यापक विरोध प्रदर्शन देखने को मिला. इन घटनाओं के बाद परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर गंभीर सवाल उठे थे. सरकार का कहना है कि नया संशोधन कानून को अधिक प्रभावी बनाकर भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद करेगा.

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में विधेयक पर चर्चा शुरू करते हुए कहा कि यह संशोधन छात्रों और युवाओं के हितों की रक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराता है. उनके अनुसार, सरकार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने और अनुचित साधनों का उपयोग करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना चाहती है.

गौरतलब है कि सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 फरवरी 2024 में संसद से पारित हुआ था और उसी वर्ष जून में लागू किया गया था. उस कानून में प्रश्नपत्र लीक करने, उत्तर कुंजी साझा करने, फर्जी परीक्षा वेबसाइट चलाने और अन्य परीक्षा संबंधी गड़बड़ियों सहित 15 प्रकार के अपराधों को परिभाषित किया गया था. सभी अपराधों को संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौतायोग्य बनाया गया था. साथ ही अभ्यर्थियों को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया था.

एमपी में मूंग खरीदी और खाद की मांग पर प्रदर्शन, बैरिकेड्स तोड़कर भोपाल में दाखिल हुए दो हजार किसान,मुख्यमंत्री आवास कूच पर अड़े

भोपाल।(आरएनएस) प्रदेश में मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। इसके साथ ही खाद वितरण व्यवस्था में सुधार को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है। मंगलवार को किसानों की %किसान क्रांति पैदल यात्रा% भोपाल पहुंच गई। पुलिस की तमाम नाकाबंदी और चेतावनियों के बावजूद करीब दो हजार किसान बैरिकेडिंग तोड़ शहर में प्रवेश कर गए।

दोपहर के समय किसानों ने मंडीदीप स्थित भोपाल सीमा पर कलियासोत नदी के ब्रिज के पास लगी पुलिस की भारी बैरिकेडिंग तोड़ दी। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिए और जय जवान-जय किसान के नारे लगाते हुए किसान पैदल ही शहर की ओर बढ़े।

उनके पीछे ट्रैक्टर-ट्रालियों और अन्य वाहनों का एक बहुत बड़ा काफिला भी राजधानी में दाखिल हुआ। किसान का एक लक्ष्य था कि मुख्यमंत्री आवास का घेराव करना है। हालांकि, पुलिस ने मशक्कत के बाद उन्हें बागसेवनिया के आरआरएल तिराहे के पास रोक लिया है। फिलहाल प्रशासन और किसान नेताओं के बीच बातचीत चल रही है और चर्चा पूरी होने तक उन्हें वहीं रोका गया है।

सात दिन का राशन लेकर आए हैं किसान

किसान इस बार आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। वे लंबी लड़ाई की पूरी तैयारी के साथ भोपाल पहुंचे हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में पूरे सात दिन का राशन और पीने का पानी रखा है।

संसद में हंगामे के कारण कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली-(आरएनएस)। संसद में आज प्रश्नकाल की शुरुआत हंगामेदार रही, जिसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर लोकसभा में %पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ़ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026 पर चर्चा और उसे पारित करने की उम्मीद है। पेपर लीक और परीक्षा में होने वाली गड़बड़ियों को रोकने के लिए लाए जा रहे सुधारों पर होने वाली इस अहम बहस में सत्ताधारी, और विपक्ष, दोनों ही हिस्सा लेंगे।

लोकसभा में होने वाली बहस के दौरान कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी, गौरव गोगोई, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल के शामिल होने की उम्मीद है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले और तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय के भी इस चर्चा में हिस्सा लेने की संभावना है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्यसभा में %राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की

रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 को विचार और पारित करने के लिए पेश करने वाले हैं। यह विधेयक आज उच्च सदन के कामकाज की मुख्य सूची में शामिल है। इससे पहले लोकसभा में मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी गई। सदन की बैठक शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों के नामों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 23वें राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पैरा खिलाड़ियों शर्मिला धनकड़ ने स्वर्ण पदक और शिल्पा के. शायला ने कांस्य पदक जीता है।

सुप्रीम कोर्ट ने उठाए पुलिस एक्शन पर बड़े सवाल

लोकतंत्र में आंदोलन होते रहेंगे, छात्रों का प्रदर्शन शांतिपूर्ण था, बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई होगी

नई दिल्ली.(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई जारी है. कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था, जो संवैधानिक दायरे में अपनी मांग उठा रहे थे. लोकतंत्र में आंदोलन होते रहेंगे, इसलिए ऐसे मामलों में पुलिस कार्रवाई के स्पष्ट मानक तय होने चाहिए. कोर्ट ने यह भी कहा कि जिसने भी जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया है, उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी. चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है. याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि मामला सिर्फ

दिल्ली का नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, नागपुर, बिहार समेत कई राज्यों में छात्रों के प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई से जुड़ा है. सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि याचिकाओं में पेलेट गन, इलेक्ट्रिक बैटन, लाठीचार्ज, आंसू गैस और महिलाओं व पत्रकारों के साथ कथित मारपीट जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं. इन आरोपों की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाएगी. सीजेआई ने कहा, अगर जिम्मेदारी तय नहीं होगी, तो जांच का कोई मतलब नहीं रह जाएगा. वहीं, याचिकाकर्ताओं की ओर से आरोप लगाया गया है कि जंतर-मंतर पर पुलिस ने तय प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया. उन्होंने सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों द्वारा हिंसा, इलेक्ट्रिक शॉक वाले हथियारों के इस्तेमाल, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग भी उठाई. राज्यसभा सांसद मनोज झा की ओर से दायर याचिका में बिहार के सीवान में प्रदर्शन के दौरान एक पुलिसकर्मी ने एक प्रदर्शनकारी पर एके-47 तान दी और उसका इस्तेमाल किया.

मैहर में मां शारदा के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटी, 12 घायल, 3 गंभीर रीवा रेफर

मैहर.(आरएनएस)। एमपी की धार्मिक नगरी मैहर में मंगलवार 28 जुलाई को मां शारदा के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप वाहन दुबेही मोड़ के पास अनियंत्रित होकर पलट गई. हादसे में 12 श्रद्धालु घायल हो गए. इनमें 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है. गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया है.

सभी श्रद्धालु रीवा जिले के रहतरा गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं. वे मां शारदा के दर्शन के लिए मैहर आए थे. दर्शन के बाद पिकअप से घर लौटते समय देहात थाना क्षेत्र के दुबेही मोड़ के पास चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया. इसके बाद पिकअप सड़क किनारे पलट गई. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. आसपास मौजूद ग्रामीणों ने घायलों को बाहर निकालने में मदद की. सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंचीं. सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया.

अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद 3 गंभीर घायलों को रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया. अन्य घायलों का स्थानीय अस्पताल में इलाज जारी है. पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है.

आंदोलन संस्थापक के छोटे भाई को पाकिस्तानी सेना ने मारी गोली, हालात बेकाबू ?

नई दिल्ली-(आरएनएस)। अवामी हुकूक लॉन्ग मार्च से जुड़े चश्मदीदों का दावा है कि सोमवार शाम रावलकोट में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कथित गोलीबारी में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और लगभग दो दर्जन अन्य घायल हो गए। जारी किए गए एक वीडियो में, जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के मुख्य सदस्य इम्तियाज़ असलम ने बताया कि विरोध प्रदर्शन का काफिला चिनार चौक पहुँच गया था और रावलकोट में मकबूल भट्ट शहीद चौक पर रात भर रुकने से पहले छ-चौक की ओर बढ़ रहा था। असलम ने कहा आज पाकिस्तान की सेना ने हमारे

बेगुनाह युवाओं पर गोलीबारी की। इसके नतीजतन, हमारे 14 युवा शहीद हो गए हैं। इनमें आंदोलन के संस्थापक उमर नज़ीर कश्मीरी के छोटे भाई उस्मान नज़ीर भी शामिल हैं। अन्य मृतकों में खैगाला, कोटली शहर, टट्टापानी, बंजा-बासपुर, छोटा गाला और हवेली का एक-एक साथी शामिल है। कुल मिलाकर 14 लोग मारे गए हैं, जिनमें हमारे दो बलूच साथी भी शामिल हैं। लगभग दो दर्जन अन्य लोग घायल हैं। उन्होंने विदेशों में रहने वाले कश्मीरियों से इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की अपील की और आरोप लगाया कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार कर रहे हैं। हम आगे बढ़ रहे हैं। मैं विदेशों में रहने वाले कश्मीरियों से अपील करता हूं कि वे इन अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाएं। राज्य घबराहट की स्थिति में है और नरसंहार पर उतर आया है। उन्होंने कहा कि कृपया पाकिस्तानी दूतावासों और संयुक्त राष्ट्र (ह्) जैसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के सामने विरोध प्रदर्शन करें। %लॉन्ग मार्च% में शामिल लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए रैलियां आयोजित करें। असलम ने मीरपुर और मुजफ्फराबाद डिवीजनों के लोगों से भी प्रदर्शनकारियों के समर्थन में प्रदर्शन करने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे बातचीत करना मुश्किल हो गया है। ट्रांसपोर्ट की दिक्कतों की वजह से, हम अगले कुछ दिनों तक पैदल मार्च करेंगे। खुदा ने चाहा तो तीन-चार दिनों में हम शहीदों और ताकत के शहर, मुज़फ़्फ़राबाद पहुँच जाएँगे।

मुंबई जा रही महालक्ष्मी एक्सप्रेस में धुआं उठने से यात्रियों में हड़कंप

मुंबई.(आरएनएस) कोल्हापुर से चलकर मुंबई जा रही महालक्ष्मी एक्सप्रेस में मंगलवार 28 जुलाई की सुबह धुआं निकलने से यात्रियों में हड़कंप मच गया. हालांकि, पुलिस के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है. यह घटना मुंबई से लगभग 90 किलोमीटर दूर रायगढ़ जिले के कर्जत में मंकी हिल सेक्शन के पास हुई. बताया जाता है कि कोल्हापुर से मुंबई जा रही महालक्ष्मी एक्सप्रेस के एक डिब्बे से अचानक धुआं निकलते देखा गया, जिससे ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया. रेलवे पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में धुआं निकलने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है. रेलवे अधिकारियों ने तुरंत प्रभावित कोच की जांच की और आवश्यक कदम उठाए, जिसके बाद ट्रेन को आगे की यात्रा के लिए रवाना किया गया. कर्जत जीआरपी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किरण माटकर ने पुष्टि करते हुए कहा कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं. अधिकारियों ने बताया कि महालक्ष्मी एक्सप्रेस को सुबह करीब 5:30 बजे कर्जत स्टेशन से गुजरना था, लेकिन धुआं दिखने के कारण ट्रेन को रोक दिया गया.

रायपुर के मेकाहारा अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में लगी आग, मरीजों में मची अफरा-तफरी

रायपुर।(आरएनएस)। राजधानी रायपुर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) के कैजुअल्टी (इमरजेंसी) वार्ड में मंगलवार को अचानक आग लग गई। आग लगते ही अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल स्टाफ के बीच हड़कंप की स्थिति बन गई।

घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। एहतियात के तौर पर इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों को आनन-फानन में अस्पताल के अन्य विभागों में शिफ्ट किया गया, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां अस्पताल पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। मौदहापारा थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। अस्पताल प्रशासन, दमकल विभाग और पुलिस के अधिकारी मिलकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

फिलहाल आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। प्रारंभिक स्तर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों का कहना है कि आग पूरी तरह बुझने के बाद नुकसान का आकलन किया जाएगा और आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जाएगी। फिलहाल घटना में किसी के हताहत होने की आधिकारिक सूचना नहीं है।

बाबा बर्फानी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी बस मकान पर गिरी, 30 श्रद्धालु घायल, कई गंभीर

गांदरबल.(आरएनएस)। बाबा बर्फानी के दर्शन कर खुशी-खुशी घर लौट रहे श्रद्धालुओं की यात्रा मंगलवार 28 जुलाई को उस समय भयानक हादसे में बदल गई, जब गांदरबल के गुंड इलाके में उनकी बस एक जानलेवा मोड़ पर अनियंत्रित हो गई. 39 यात्रियों से भरी यह बस सड़क से फिसलते हुए सीधे नीचे बने एक मकान पर जा गिरी, जिससे मौके पर भारी चीख-पुकार मच गई.

इस दुर्घटना में करीब 30 श्रद्धालु घायल हो गए हैं, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है. घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताते हुए प्रशासन को घायलों के बेहतर इलाज के सख्त निर्देश दिए हैं.

खतरनाक रास्ते पर फिसला पहिया

हादसे की मुख्य वजह पहाड़ी रास्ते का खतरनाक होना और बस का

बेकाबू होना बताया जा रहा है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बस जैसे ही गनीवान के पास एक संकरे रास्ते से गुजर रही थी, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सड़क से नीचे फिसलकर सीधे एक रिहायशी मकान पर जा गिरी. दुर्घटना की तेज आवाज सुनते ही स्थानीय लोग सबसे पहले मदद के लिए दौड़े. इसके तुरंत बाद पुलिस, आईटीबीपी, सीआरपीएफ और भारतीय सेना की संयुक्त टीमों ने तेजी से राहत और बचाव अभियान चलाते हुए बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया.

उपराज्यपाल ने ली पल-पल की जानकारी, बेहतर इलाज के निर्देश

अमरनाथ तीर्थयात्रियों के साथ हुए इस दर्दनाक हादसे के बाद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने तुरंत स्थिति का संज्ञान लिया. उन्होंने गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से बात करके हालात की पल-पल की जानकारी ली. उपराज्यपाल ने बताया कि बाबा बर्फानी के दर्शन करके लौट रहे सभी घायलों का एसकेआईएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है. राहत की बात यह है कि ज्यादातर लोगों को मामूली चोटें आई हैं और सभी की हालत स्थिर है. उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए हैं कि श्रद्धालुओं को हर संभव मदद और बेहतरीन मेडिकल देखभाल उपलब्ध कराई जाए, साथ ही उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना भी की.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी गोरखपुर नितिन कमल ने बताया कि रात चौकी रामपुर अन्तर्गतं विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि लोधी मोहल्ला असरानी डाक्टर के बाजू वाली गली गोरखपुर बाजार में मोनू सबलोक अपने एक साथी के साथ अवैध रूप से शराब बेचने के लिये रखा है सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जो मोनू सबलोक पुलिस को देखकर अपने साथी के साथ अंधेरे का फायदा उठाते हुये अपने बैग व थैलों को छोड़कर भाग गया, बैंगों को चैक करने पर 1 बैग में अंग्रेजी शराब बैगपाईपर व्हीस्की की 11 बाटल, 1 बैग में मैजिक मोमेन्ट आरेंज फ्लेवर्ड वोदका की 11 बाटल, 1 बैग में मैजिक मोमेंट ग्रीन एपल फ्लेवर्ड वोदका

नगर निगम की जनसुनवाई में आवेदकों को त्वरित राहत एवं नियम विरुद्ध निर्माण पर तत्काल कार्रवाई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा आयोजित जनसुनवाई में आज निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने 80 आवेदकों के आवेदन पत्र पर सुनवाई की। उनके द्वारा आवेदकों को मौके पर ही सुनवाई कर राहत प्रदान की गई। इस संबंध में उन्होंने बताया कि सुनवाई के दौरान निगम के कॉलोनी सेल, अतिक्रमण शाखा, संपदा शाखा,तथा स्वच्छता व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं जन-सुलभ बनाने की दिशा में आवेदन प्राप्त हुए जिस पर त्वरित कार्रवाई की गई।

जनसुनवाई के दौरान सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था एवं राजस्व से संबंधित विभिन्न प्रकरणों की सुनवाई करते हुए निगमायुक्त श्री अहिरवार द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर चांडाल भाटा क्षेत्र से आए नागरिकों की समस्याओं को भी प्रमुखता से संज्ञान में लिया गया तथा निगम द्वारा आश्वस्त किया गया कि उक्त क्षेत्र की नागरिक समस्याओं का शीघ्र ही त्वरित एवं स्थायी समाधान किया जाएगा।

निगम परिसर में आयोजित जनसुनवाई में समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ आवेदकों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया। सुशासन की दृष्टि से उपस्थित नागरिकों के लिए चाय तथा कांच की बोतलों में स्वच्छ पेयजल की उत्तम व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

जनसुनवाई के मात्र 2 घंटे पश्चात बड़ी कार्रवाई

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों पर निगम प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। इस संबंध में निगमायुक्त ने बताया कि सुनवाई समाप्त होने के मात्र दो घंटे के भीतर सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड नेहरू नगर)के अंतर्गत बिना अनुमति एवं नियम विरुद्ध संचालित दो दुकानों तथा एक कमर्शियल बिल्डिंग को तत्काल प्रभाव से सील करने की दंडात्मक कार्रवाई की गई।

संयुक्त दल द्वारा की गई कार्रवाई

निगमायुक्त के सख्त निर्देशों के अनुक्रम में यह प्रभावी कार्रवाई बाजार, अतिक्रमण, भवन शाखा एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त दल द्वारा संपादित की गई। उक्त कार्रवाई के दौरान अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, सौरभ मिश्रा, मनोज श्रीवास्तव के साथ सहायक आयुक्त सुश्री कामिनी लिल्हारे, बाजार विभाग से श्री जोशी, अतिक्रमण दस्ते से दीपेंद्र रावत एवं बृज किशोर, भवन शाखा से मिथिलेश चैबे तथा अग्निशमन दल से फायर अधीक्षक कुशाग्र एवं राजेंद्र पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एस पी को ज्ञापन सौंपा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बरगी विधानसभा के ग्राम पंचायत बंदर कोला के अंतर्गत आने वाला गांव ग्राम बसहा गांव में अबेध शराब बिक्री पर रोग लगते एवं महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न के संबंध में एसपी महोदय कोज्ञापन सोपा गया ज्ञापन में उपस्थित ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव जी जिला सदस्य मुन्नीबाई ।उईके ।जी स्वतंत्रता सेनाली के अध्यक्ष नारायण शर्मा जी आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष धीरेंद्र ठाकुर जी महिला उत्पीड़न ग्रामीण जिला अध्यक्ष उमा उईकेजी उत्पीड़न ब्लॉक अध्यक्ष कीर्ति रैकवार जी कविता बर्मन जी शकुन भाई इलायची बाई मीना बाई पंचवटी नीतू जीत रोली रोशनी अंजना इनवाती सुदामा प्रियंका मरावी और अन्य महिलाएं उपस्थित थी

साहू समाज द्वारा वापसी रथयात्रा का आयोजन आज

भगवान जगन्नाथ स्वामी, मौसी के घर से अपने धाम लौटेंगे आज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भगवान जगन्नाथ स्वामी अपने भाई बलभद्र एवं बहिन देवी सुभद्रा के साथ मौसी के घर में विश्राम करने के उपरांत 12 दिनों बाद कल अपने धाम वापस लौटेंगे। वात्री साहू समाज द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में भगवान जगन्नाथ स्वामी की वापसी रथयात्रा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कल बुधवार 29 जुलाई को शाम 5 बजे बड़ी खेरमाई मंदिर से निकाली जाएगी।

साहू समाज के कोठिया श्रीकान्त साहू ने बताया रथयात्रा महोत्सव के अवसर पर महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी भाई बहिन के साथ भक्तो को दर्शन देते हुए अपनी मौसी के घर विश्राम करने जाते है. परंपरा अनुसार साहू समाज द्वारा निकाली जाने वाली रथयात्रा के पश्चात भगवान अपने मंदिर से बड़ी खेरमाई मंदिर स्थित सिंहवाहनी मंदिर में अपनी मौसी के घर विराजित होते है जहाँ से 12 दिन बाद वापसी रथयात्रा निकाली जाती है और भगवान अपने मंदिर में विराजित होते है.

श्री साहू ने बताया साहू समाज द्वारा निकाली जाने वाली वापसी रथयात्रा कल बड़ी खेरमाई मंदिर से प्रारम्भ होंगी जो हनुमानताल, घोड़ानक्कास, मिलोनीगंज चौक, कोतवाली, कमानिया गेट, बड़ा फुहारा, चरहाई होते हुए गढ़ाफाटक स्थित साहू धर्मशाला में सम्पन्न होंगी। वात्री साहू समाज द्वारा वापसी रथयात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की गई है।

स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक ;नाबार्डद्ध के मार्गदर्शन में शहपुरा विकासखंड के ग्राम बगरई में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम जिला विकास प्रबंधक सुश्री देवीना महरोत्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं समूह नेतृत्वकर्ताओं को समूह संचालनए वित्तीय प्रबंधन और बैंकिंग सेवाओं के प्रभावी उपयोग के बारे में जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना था।

कार्यक्रम में लोक कल्याण भूमिका समिति के श्री विकास सोनोने एवं अन्य प्रतिनिधियों ने समूह गठनए नियमित बचतए आंतरिक ऋण व्यवस्थाए बैंक लिंकेजए डिजिटल बैंकिंगए सरकारी योजनाओं तथा वित्तीय अनुशासन की जानकारी दी। साथ ही महिलाओं को स्वरोजगार अपनाने और समूह आधारित आजीविका गतिविधियों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रशिक्षण में ग्राम बगरई एवं आसपास के क्षेत्रों की लगभग 50 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं समूह नेतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने इसे उपयोगी बताते हुए प्रशिक्षण में मिली जानकारी को अपने समूहों में लागू करने और अन्य महिलाओं तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

साकेतधाम, गौरीघाट में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन

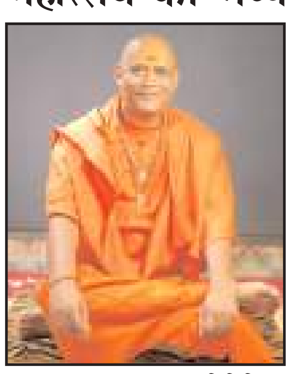

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पावन गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर साकेतधाम, गौरीघाट में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं भक्तों के लिए विभिन्न धार्मिक एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे गुरु पादुका पूजन से होगा, जिसमें श्रद्धालु अपने सद्गुरु के श्रीचरणों का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इसके उपरांत प्रातः 10:30 बजे वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया जाएगा।

कार्यक्रम के समापन पर दोपहर 12:00 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन रहेगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई है ।आयोजक मंडल ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरु पूर्णिमा महोत्सव में सहभागी बनें तथा गुरु कृपा एवं आध्यात्मिक वातावरण का लाभ प्राप्त करें। पंडित रोहित दुबे, मुकेश अग्रवाल, भानु नवेरिया, विवेक पाठक, रिंकू तिवारी, मनीष दुबे, नलिन पांडेय, भगवान दास धीरावाणी, अभय सिंह, मनीष गुप्ता, हिमांशु तिवारी, पंडित सौरभ दुबे, पंडित सुनील उपाध्याय एवं समस्त आयोजक मंडल ने पधारने की अपील की है।

कैट की राष्ट्रीय व्यापारी बैठक से हर घर तिरंगा, हर दुकान तिरंगा अभियान का राष्ट्रव्यापी आह्वान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारी बैठक आज नई दिल्ली में संपन्न हुई। देशभर से आए 200 से अधिक वरिष्ठ व्यापारी नेताओं ने सम्मेलन में व्यापारियों के हितों, आर्थिक विकास तथा 12 से 15 अगस्त 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारतीय व्यापार महोत्सव-2026 की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।

सम्मेलन में हर घर तिरंगा, हर दुकान तिरंगा अभियान को देशभर में व्यापक स्तर पर चलाने का निर्णय लिया गया। सभी व्यापारियों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों, दुकानों और बाजारों को तिरंगे से सजाने तथा राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। देशभर में तिरंगा यात्राएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और आकर्षक झांकियों का आयोजन भी किया जाएगा। कैट की सभी राज्य एवं जिला इकाइयों को अभियान के सफल संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भारतीय व्यापार महोत्सव-2026 को आज़ादी के उत्सव की थीम पर आयोजित किया जाएगा। भारत मंडपम परिसर को तिरंगे की भव्य सजावट से सजाया जाएगा, जिससे देश-विदेश से आने वाले व्यापारियों, उद्योगपतियों और आगंतुकों को आत्मनिर्भर भारत का संदेश दिया जा सके।

सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि हर घर तिरंगा, हर दुकान तिरंगा केवल अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति व्यापारियों की श्रद्धा और कर्तव्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि देशभर के बाजारों में तिरंगा यात्राएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रभक्ति से जुड़े आयोजन होंगे तथा प्रत्येक व्यापारी गर्व के साथ अपने प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराएगा।

भारतीय व्यापारी महोत्सव कैट द्वारा भव्य मेले का आयोजन

उन्होंने बताया कि भारतीय व्यापार महोत्सव-2026 भारत में निर्मित उत्पादों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, हस्तशिल्प, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, टेक्नोलॉजी एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों का देश का सबसे बड़ा बहु-क्षेत्रीय व्यापार महोत्सव होगा। यह आयोजन भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने, निर्यात बढ़ाने और नए व्यापारिक अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्री खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल के संकल्पों को साकार करने में व्यापारी समाज अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने सभी व्यापारिक संगठनों, बाजार संघों एवं व्यापारियों से इस राष्ट्रव्यापी अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

महाविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई, विद्यार्थियों के लिए प्रवेश मेला जारी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रवेश की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 से बढ़ाकर 31 जुलाई 2026 कर दी गई है। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल महाविद्यालय, जबलपुर के प्रवेश मेला संयोजक प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया को सुगम और सरल बनाने के लिए महाविद्यालय परिसर में प्रतिदिन प्रवेश मेला आयोजित किया जा रहा है । यह प्रवेश मेला प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक संचालित हो रहा है, जहां विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधी सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। स्नातक प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी महाविद्यालय पहुंचकर उसी दिन पंजीयन, चॉइस फिलिंग तथा सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। सीट आवंटित होने के बाद निर्धारित समय सीमा के भीतर शुल्क महाविद्यालय प्रशासन ने सभी पात्र एवं इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए समय रहते महाविद्यालय पहुंचकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। इससे उन्हें अपनी पसंद के विषयों मे प्रवेश प्राप्त करने में सुविधा होगी तथा किसी प्रकार की तकनीकी या औपचारिक परेशानी से भी बचा जा सकेगा। प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रवेश प्रक्रिया को सरल एवं सुविधाजनक बनाया गया है। महाविद्यालय में विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि प्रत्येक पात्र छात्र-छात्रा समय पर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सके।

नगर निगम द्वारा नई सफाई व्यवस्था के लिए निविदा आमंत्रित, 35 निविदाकारों ने लिया भाग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लागू की जा रही नई सफाई व्यवस्था की निविदा प्रक्रिया में अभूतपूर्व प्रतिसाद देखने को मिला है। नगर निगम द्वारा आमंत्रित की गई इस निविदा में देशभर के 35 प्रतिष्ठित निविदाकारों क्रमशः माँ नर्मदा सफाई सहकारी कामगार एंड लेवर कॉन्ट्रेक्ट कोआपरेटिव सोसायटी, अधार सिक्योरिटी साल्यूशन प्रा.लि., ओमकारा सिक्योरिटी प्रा.लि., अल्ट्रा क्लीन एण्ड केयर सर्विसेस, आर. प्रियांशी कंस्ट्रक्शन एण्ड फेसेलिटि, अली टूर एण्ड ट्रेवल्स, आर.के. एण्ड कम्पनी मेन पॉवर प्रा.लि., माँ नर्मदा सांई सेवा समिति, महाराष्ट्र विकास ग्रुप कम्पनी, एच.एस. सर्विस प्रोवाइडर, थर्ड आई सिक्योरिटी सर्विस प्रा.लि., साल्युशन फेसेलिटि सर्विसेस, सिंगू साल्यूशन प्रा.लि., सिंग इंटेलीजेंसी सिक्योरिटी प्रा.लि., मेसर्स शान सिक्योरिटी प्रा.लि., लक्ष्य सिक्योरिटी एण्ड मेन पॉवर सर्विस, कामथियन सिक्योरिटी सर्विस, हनुमान मेट्रिक्स सिक्योरिटी, स्काईबुल सिक्योरिटी सर्विस प्रा.लि., डिवाइन वेस्ट मैनेजमेंट एण्ड सर्विसेस, फ्रन्ट लाइन सिक्योरिटी एण्ड एलाईड सर्विसेस, अउरा एफ.एम.एस. प्रा.लि., सेंगर सिक्योरिटी एण्ड सर्विसेस प्रा.लि., फस्ट ग्लोबल सर्विसेस प्रा.लि., एवं टैक्सी जंक्शन आदि ने सहभागिता की है। इस पूरी निविदा प्रक्रिया को पूर्णतः निष्पक्ष, प्रतिस्पर्धात्मक और पारदर्शी बनाए रखने के लिए नगर निगम ने उच्चतम मानकों का पालन किया है, जिससे इतनी बड़ी संख्या में निविदाकारों ने विश्वास जताते हुए हिस्सा लिया। निविदा की सभी औपचारिकताएं शासकीय नियमों एवं ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली के तहत संपन्न की जा रही हैं, जिससे पारदर्शिता की एक नई मिसाल कायम हुई है। 35 कंपनियों के भाग लेने से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिला है, जिससे नगर निगम को न्यूनतम दरों पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्राप्त होने की संभावना है। नई निविदा के तहत शहर के सभी वार्डों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, मुख्य मार्गों की यांत्रिक सफाई, नाले-नालियों की समयबद्ध सफाई और कचरे का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि जबलपुर को स्वच्छता के क्षेत्र में देश के शीर्ष शहरों में शुमार करना हमारी प्राथमिकता है। 35 निविदाकारों की सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि नगर निगम की पारदर्शी कार्यप्रणाली पर एजेंसियों का पूरा भरोसा है। प्राप्त तकनीकों और7 प्रस्तावों का नियमानुसार सूक्ष्म परीक्षण कर शीघ्र ही योग्य एजेंसी को कार्य सौंपा जाएगा, ताकि नागरिकों को एक स्वच्छ और सुंदर वातावरण मिल सके।

गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया जाएगा

नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की 108 परिक्रमा आज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर चातुर्मास विश्राम के बाद हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की भगवान राधा कृष्णा लड्डू गोपाल तुलसी मैया की एक साथ 108 परिक्रमा संकीर्तन करते हुए 29 जुलाई बुधवार आसाठ पूर्णिमा सुबह 6 बजे प्रारंभ की जाएगी आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज का गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया जाएगा संकीर्तचार्य सुरेश विश्वकर्मा के सानिध्य की जाएगी

उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक परिक्रमा के अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल सह संकीर्तचार्य श्याम मनोहर पटेल विनोद दीवान मनोज गुलाब बनी दुर्गा पटेल शिव कुमार पटेल विनोद विश्वकर्मा कैलाश विश्वकर्मा आदि ने की है

विद्यार्थियों से करवा रहे हेल्पर का काम, आयोग का संज्ञान, प्रतिवेदन तलब

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। ग्रीषमावकाश के बाद स्कूल प्रारम्भ होने पर बच्चों को तिलक लगाकर व फूल बरसाकर उत्सव मनाया गया था जो मात्र एक दिखावा साबित हुआ 7 जिले के नागपुर रोड, टोल नाला से एक किमी की दूरी पर स्थित बहोरीपार शासकीय एकीकृत शाला में मध्यान्ह भोजन के बाद स?कूली बच?चों से थाली धुलवाई जाने का मामला सामने आया है। शाला में मध्यान्ह भोजन के बाद थालियां धोने का काम हेल्पर का है 7 जिम्मेदारो की लापरवाही के कारण बच्चों को स्कूल के बाहर लगे हैंड पम्प मे थालिया धोने जाना पड़ता है जबकि वहां हेल्पर नियुक्त भी है , इसके बावजूद बच?चों से ही भोजन के बाद थालियां धुलवाई जाती है। इसके साथ ही जर्जर घोषित हो चुके भवन में ही बच?चों को भोजन कराया जा रहा है। इस कारण बड़ा हादसा होने पर उनकी जान को खतरा हो सकता है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रिय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा नें बताया की मीडिया रिपोर्ट के आधार पर मामले को जनहित में संज्ञान में लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुये, आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना अधिकारी से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

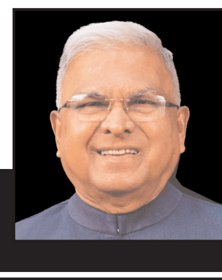

भोपाल-राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा का सतत प्रवाह है। यह जन-जीवन को नई दिशा देने वाला जन अभियान है। प्रधानमंत्री की प्रत्येक %मन की बात% गागर में सागर के समान होती है। कम समय में गहन विचार और उपयोगी संदेश देती हैं। यह कार्यक्रम ज्ञान का ऐसा भंडार है, जिसमें जीवन को सरल, सफल और सार्थक बनाने वाले अनेक प्रेरक संदेश समाहित रहते हैं। हमारे विचारों को समृद्ध और दृष्टि को व्यापक बनाते हैं। अनेक विषयों की उपयोगी जानकारी सरल भाषा में प्राप्त होती है।

मध्यप्रदेश विधिक माप विज्ञान नियम, 2011 में संशोधन की स्वीकृति- मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

सर्वांगीण विकास और बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 2 हजार 480 करोड़ रुपये की स्वीकृति

भोपाल- (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार और जनकल्याण को गति देने के लिए लगभग 2 हजार 480 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई। बैठक में खेल गतिविधियों, सिंचाई, महिला सशक्तिकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और किसान कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगाई गई।

प्रमुख निर्णयों में अक्टूबर 2026 में भोपाल में %महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी% के भव्य आयोजन के लिए 18 करोड़ 74 लाख रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई, जिससे राज्य की खेल अवसंरचना और पर्यटन को वैश्विक पहचान मिलेगी। कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए रिहन्द एवं मल्हारगढ़ सिंचाई परियोजनाओं और किसानों को समर्थन मूल्य पर बोनस भुगतान योजना की निरंतरता को मंजूरी मिली। प्रदेश को तकनीकी रूप से अग्रणी बनाने के उद्देश्य से आईआईएसईआर (ड्ढ्ढस्श्वक्र) भोपाल में ड्रोन टेक्नोलॉजी आधारित %सेंटर ऑफ एक्सीलेंस% और आईटी पार्कों के विकास के लिए 857 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इन निर्णय में आई टी पार्क की स्थापना के वर्ष 2031 तक संचालन की निरंतरता की स्वीकृति महत्वपूर्ण है ,इसके तहत करीब 8000 युवाओं को रोजगार मिल सकेगा। %मिशन शक्ति% के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण के लिए 198 करोड़ रुपये, कर्मचारी कल्याण एवं पेंशन योजनाओं के लिए 982 करोड़ रुपये और ग्वालियर में विद्युत सुरक्षा के निरीक्षकालय के नवीन वृत्त कार्यालय और नारायणगढ़ में 9 नए न्यायिक पदों के सृजन को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2026 के भोपाल में आयोजन के लिए 18 करोड़ 74 लाख रूपये की सैद्धांतिक स्वीकृति मंत्रि-परिषद ने माह अक्टूबर 2026 में महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2026 के भोपाल के बरखेड़ा नाथू में स्थित अन्तर्राष्ट्रीय स्पोटर्स कॉम्पलेक्स में आयोजन के लिए संभावित व्यय राशि 18 करोड़ 74 लाख रूपये के व्यय की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है।

हॉकी इण्डिया को अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा देश में हॉकी खेल का संचालन, प्रोत्साहन और अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए अधिकृत किया गया है। प्रतियोगिता वर्ष 2010 से निरन्तर 2 वर्ष के अन्तराल में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का मुख्य उद्?देश्य एशियाई महिला हॉकी टीमों की प्रतिभा को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना है। महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2026 में एशिया की प्रमुख 6 महिला टीमों (भारत, चीन, जापान, मलेशिया, साउथ कोरिया, एवं थाईलैण्ड) के लगभग 200 खिलाडी व सपोर्ट स्टॉफ के सम्मिलित होने की संभावना है। यह अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता हॉकी इण्डिया और खेल और युवा कल्याण विभाग ?द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जायेगी। अनुबंध अनुसार हॉकी इण्डिया को खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा %पेजेंटिंग पार्टनर% राईटस के लिए 11 करोड़ रूपये दिये जाएंगे। अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए विभाग दवारा 7 करोड़ 74 लाख रूपये का व्यय किया जायेगा। इस प्रकार आयोजन पर लगभग 18 करोड़ 74 लाख रूपये का व्यय होना संभावित है।

भोपाल के बरखेड़ा नाथू में अन्तर्राष्ट्रीय स्पोटर्स कॉम्पलेक्स को नवीन एवं आधुनिक तकनीकों के अनुरूप अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए तैयार किया गया है। एशिया स्तर की अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन से वैश्विक स्तर पर मध्यप्रदेश में निर्मित खेल अधोसरंचना का प्रचार प्रसार होगा। इससे प्रदेश के हॉकी खिलाड़ियों के मनोबल में वृ?द्धि होगी और एशिया के प्रमुख देशों से सम्मिलित हुई टीमों के खिलाड़ियों के भोपाल आगमन से प्रदेश में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मंत्रि-परिषद ने सिंगरौली की रिहन्द माइक्रो सिंचाई परियोजना को सोलहवें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 111 करोड़ 4 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। रिहन्द माइक्रो सिंचाई परियोजना का मुख्य उद्देश्य गोविन्द वल्लभ पंत सागर रिजर्वायर (रिहन्द नदी पर स्थित) से संचित जल का उद्वहन कर सिंगरौली, माड़ा, वैढन और जावद तहसील के 119 गांवों में 38,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से सिंचाई के लिए जल प्रदान करना है।मंत्रि-परिषद ने मंदसौर की मल्हारगढ़ दाबयुक्त वृहद उद्वहन सिंचाई परियोजना के सोलहवें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 184 करोड़ 20 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। मल्हारगढ़ दाबयुक्त वृहद उद्वहन सिंचाई परियोजना लिफ्ट सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मंदसौर जिले की 46,500 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करना है। मंत्रि-परिषद ने आईसर में ड्रोन टेक्नोलॉजी पर आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए 85 करोड़ 51 लाख रूपये सहित विज्ञान एवं प्रौ?द्योगिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं के सोलहवें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 857 करोड़ 21 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश में आईटी पार्क की स्थापना% संबंधी योजना के लिए 595 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना अंतर्गत प्रदेश में इन्दौर, भोपाल, जबलपुर एवं ग्वालियर में आई.टी. पार्को की स्थापना की गयी है। आई.टी. पार्क एवं आई.टी. टावर्स की स्थापना से प्रदेश में आधुनिक तकनीकी अधोसंरचना का विकास होगा जिससे देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित कर निवेश एवं औ?द्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। परिणामस्वरुप प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे तथा 8000 से अधिक स्थानीय युवाओं को कौशल आधारित रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उल्लेखनीय है कि अब तक लगभग 22000 युवाओ को रोजगार प्राप्त हो चुका है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (त्ढ्ढस्) के अंतर्गत संपादित एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से आई.टी. एवं ई.एस.डी.एम. क्षेत्र का विस्तार होगा जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुदृढ होगी।

जमीनी अनुभव ही बनेंगे प्रशिक्षण, डिजिटल नवाचार और सेवा सुधार की नई दिशा

राज्य स्तरीय विचार-मंथन में आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने किया सीधा संवाद

भोपाल -महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण एवं रूपांतरण के उद्देश्य से मंगलवार को संचालनालय, महिला एवं बाल विकास, भोपाल में राज्य स्तरीय विचार-मंथन (ब्रेनस्टॉर्मिंग) कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेश के सभी संभागों से चयनित सक्रिय, नवाचारी एवं कार्य के प्रति समर्पित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनके अनुभव, सुझाव, नवाचार और जमीनी चुनौतियों को विस्तार से सुना। आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि इस कार्यशाला में शामिल लगभग 90 प्रतिशत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उच्च शिक्षित हैं। मध्यप्रदेश की आंगनवाड़ी व्यवस्था अब नई ऊर्जा, आधुनिक सोच और दक्ष मानव संसाधन के साथ बदलाव के दौर में प्रवेश कर चुकी है। इस कार्यशाला से उच्च शिक्षित कार्यकर्ताओं की भागीदारी से विभाग को जमीनी स्तर पर गुणवत्तापूर्ण सुझाव प्राप्त किये जायेंगे, जो भविष्य की नीतियों और सुधारों का आधार बनेंगे। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता केवल योजनाओं का क्रियान्वयन करने वाली कर्मी नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास, मातृ स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक जागरूकता की सबसे सशक्त कड़ी हैं। आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि विकसित बचपन ही विकसित मध्यप्रदेश की नींव है और इस लक्ष्य की सबसे महत्वपूर्ण भागीदार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। विभाग की प्रत्येक नई पहल, प्रशिक्षण व्यवस्था और तकनीकी सुधार उनके अनुभवों एवं सुझावों को केंद्र में रखकर तैयार किए जाएंगे। आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि राज्यस्तरीय विचार-मंथन का उद्देश्य केवल चर्चा करना नहीं, बल्कि मैदानी स्तर पर कार्य कर रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमताओं चुनौतियों प्रशिक्षण आवश्यकताओं, स्थानीय नवाचारों तथा सेवा प्रदायगी में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को संवेदनशीलता से समझना है। इन्हीं अनुभवों के आधार पर विभाग भविष्य के क्षमता निर्माण कार्यक्रम, प्रशिक्षण मॉड्यूल, डिजिटल संसाधनों और सेवा प्रदायगी प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं व्यवहारिक बनाएगा।

संवाद के दौरान कार्यकर्ताओं ने पोषण पुनर्वास, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा समुदाय की सहभागिता, डिजिटल तकनीकों के उपयोग, बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, स्थानीय नवाचारों तथा कुपोषण उन्मूलन से जुड़े अनेक सफल प्रयोग साझा किए।

दतिया में चुनाव प्रचार समाप्ति के बाद बाहरी लोगों को जिला छोड़ने के निर्देश

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया आदेश जारी

भोपाल-(आरएनएस) भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा उप निर्वाचन-2026 के तहत जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जिला दण्डाधिकारी एवं निर्वाचन अधिकारी श्री स्वप्निल वानखड़े ने आदेश जारी कर निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

आदेश के अनुसार चुनाव प्रचार में लगे प्रत्याशियों एवं राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा अन्य बाहरी व्यक्तियों को मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व, अर्थात 28 जुलाई 2026 की शाम 6 बजे तक दतिया जिले की सीमा छोड़नी होगी। पुलिस अधीक्षक को इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत धर्मशालाओं, सामुदायिक भवनों, लॉज एवं होटल आदि की जांच कर बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया जाएगा। जिले की सीमाओं पर जांच चौकियां स्थापित कर आने-जाने वाले वाहनों की निगरानी की जाएगी तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं अवैध हथियारों की जांच भी की जाएगी। मतदान से 72 घंटे पूर्व अंतरराज्यीय एवं अंतरजिला सीमाओं पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि 28 जुलाई 2026 शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इस अवधि में किसी भी प्रकार की सार्वजनिक सभा, जुलूस, रैली या पांच से अधिक लोगों की बैठक आयोजित नहीं की जा सकेगी। हालांकि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार घर-घर जाकर व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से प्रचार की अनुमति रहेगी। इसके अतिरिक्त प्रचार समाप्ति के बाद 48 घंटे की अवधि में किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रोक रहेगी।

मुंशी प्रेमचंद ने अपने साहित्य में चरित्र को सर्व प्रमुख माना है

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती आगामी 31 जुलाई को है, इस क्रम में शासकीय विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर में स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ , हिंदी एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 28.07.2026 को प्रेमचंद जयंती = साहित्यिक विरासत का उत्सव विषय पर डॉक्युमेंट्री फिल्म का प्रसारण महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शिखा सक्सेना के संरक्षण में किया गया। साथ ही केंद्रीय पुस्तकालय में लगाई गई प्रेमचंद की कृतियों की प्रदर्शनी से विद्यार्थी ,मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से अवगत हुए। मुंशी प्रेमचंद ने अपने साहित्य में चरित्र को सर्व प्रमुख माना है, उनका कथन है— %मैं उपन्यास को मानव चरित्र का चित्र मात्र समझता हूँ। मानव-चरित्र पर प्रकाश डालना और उसके रहस्यों को खोलना ही उपन्यास का मूल तत्व है। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ उषा मसराम ने मुंशी प्रेमचंद के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सुचारु संचालन हेतु कार्यक्रम प्रभारी प्रो. डॉ राजश्री कपूर और हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार विश्वकर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सुजाता कुमार , केंद्रीय ग्रंथालय की ग्रंथपाल डॉ चेतना राणा अग्निहोत्री, डॉ. ज्ञानेश पाण्डेय, श्री मनीष मौर्य, डॉ प्रीति पाण्डे, डॉ विनीता रतौनिया ,डॉ रूपाली जैन, श्रीमती निशा जैन, श्रीमती पूनम सेन का सक्रिय योगदान रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं अधिकतम संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सिवनी की 8 ट्रांसमिशन लाइनों का अनोखा रिकॉर्ड, 1500 दिनों से बिना ब्रेकडाउन जारी है बिजली पारेषण

50 वर्ष पुरानी लाइनें भी निभा रहीं भरोसेमंद सेवा- आधुनिक मेंटेनेंस तकनीक से मिली सफलता

सिवनी (आरएनएस) मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की सिवनी स्थित 8 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विश्वसनीय विद्युत पारेषण का उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किया है। इन लाइनों पर पिछले लगभग चार वर्षों यानी करीब 1500 दिनों से एक भी ब्रेकडाउन दर्ज नहीं हुआ है। विशेष बात यह है कि इनमें कुछ ऐसी लाइनें भी शामिल हैं, जिन्हें लगभग पांच दशक पहले ऊर्जीकृत किया गया था और वे आज भी निर्बाध रूप से विद्युत पारेषण कर रही हैं। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि सिवनी की इन 8 ट्रांसमिशन लाइनों सहित प्रदेशभर में एमपी ट्रांसको की 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें भी विगत चार वर्षों से बिना किसी ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों तथा अनुरक्षण कार्य में लगे आउटसोर्स कर्मियों की सतत निगरानी, तकनीकी दक्षता और समर्पण का परिणाम है। -इन लाइनों ने हासिल की उपलब्धि-

सिवनी क्षेत्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली लाइनों में 220 केवी सिवनी पावर ग्रिड-छिंदवाड़ा लाइन, 220 केवी सिवनी पावर ग्रिड-सिवनी के दो सर्किट, 132 केवी इंटरकनेक्टर सिवनी के दो सर्किट, 132 केवी सिवनी-पेंच, 132 केवी सिवनी-गोपालगंज तथा वर्ष 1976 में ऊर्जीकृत 132 केवी सिवनी-चौरई और वर्ष 1977 में निर्मित 132 केवी सिवनी-बालाघाट लाइन शामिल हैं। दशकों पुरानी इन लाइनों का बिना ब्रेकडाउन संचालन कंपनी की प्रभावी मेंटेनेंस व्यवस्था का प्रमाण माना जा रहा है।

मेंटेनेंस मे अपनाई गई आधुनिक तकनीक-

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि ट्रांसमिशन नेटवर्क को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए थर्मो-विजन निरीक्षण, ड्रोन सर्विलांस, एससीएडीए आधारित रियल-टाइम मॉनिटरिंग, ऑनलाइन कंडीशन मॉनिटरिंग तथा समयबद्ध निवारक अनुरक्षण जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही नियमित लाइन पेट्रोलिंग, प्री-मानसून मेंटेनेंस, लाइन कॉरिडोर प्रबंधन तथा पेड़ों की कटाई-छंटाई जैसे कार्यों से संभावित तकनीकी खामियों की समय रहते पहचान कर उनका निराकरण किया जाता है।उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और मैदानी स्तर पर सतत निगरानी के समन्वय से प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क की विश्वसनीयता लगातार बढ़ रही है, जिसका प्रत्यक्ष परिणाम सिवनी की इन ट्रांसमिशन लाइनों के रिकॉर्ड प्रदर्शन के रूप में सामने आया है।

आरक्षण का आधार जनसंख्या है न की कुँन्तिफेविल डाटा- अधिवक्ताओ का तर्क

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में ओ.बी.सी. आरक्षण के प्रकरणों में में आठवे दिन वहस हुई तथा अगली वहस नियमित रूप से आज बुधवार को पुन- आरंभ होगी 7 ओ.बी.सी. वर्ग की ओर से बहस का दूसरा दिन था 7 ओ.बी.सी. वर्ग की 51त्न आवादी को 27त्न आरक्षण को अमुचित प्रतिनिधित्व नही माना जा सकता 7 ओ.बी.सी. पक्ष की ओर से विनायक प्रसाद शाह ने कोर्ट को बताया की 1949 में संविधान सभा के निर्देश पर पंजाब राज्य की तत्कालीन सरकार ने अनुसूचित जाति को जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया था

देश में ओ.बी.सी. की 1953 में पहली बार पहचान पिछड़ा वर्ग आयोग जिसे काका कालेलकर आयोग के नाम से जाना जाता है ने की थी 7 उक्त आयोग द्वारा पाया गया था की एस.सी.एस.टी. के आलाबा भी देश में बड़ी जनसंख्या है जिसका शासन एवं प्रशासन में प्रतिनिधित्व नही है इसलिए इस वर्ग को (ओ.बी.सी.) को जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने की अनुशंसा की गई थी तथा आयोग ने 1955 में ओ.बी.सी. को कम से कम 40त्न आरक्षण लागू करने की अनुशंसा की गई थी 7 लेकिन भारत सरकार के तत्कालीन प्रधान मंत्री स्व- जवाहरलाल नेहरू सरकार ने बिना किसी कारन के लागू नही किया तब भारत सरकार के तत्कालीन प्रधान मंत्री स्व- मुरारजी देसाई ने 01/01/1979 को बी.पी. मंडल की अध्यक्षता के दितीय पिछड़ा वर्ग आयोग गठित किया गया था तथा दिनांक 31/12/80 को अपनी रिपोर्ट प्भारत सरकार को प्रस्तुत करके एम.आर. बालाजी वनाम मैसूर राज्य में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में पहली बार 50त्न कुल अरक्षण की बात कही गई थी इसलिए उक्त फैसले को दृष्टिगत रखते हुए मंडल आयोग ने ओ.बी.सी. वर्ग को 27त्न आरक्षण की अनुशंसा की गई थी 7 जिसे देश में पहली बार ओ.बी.सी. को बी.पी.सिंह सरकार ने संविधान में संशोधन किए बिना आफिस मेमोरेंडम/कार्यालीन आदेश जारी कर दिनांक 13/8/90 को 27त्न लागू किया गया जिसके विरूद्ध इंद्रा शाहनी द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में चुनोती दी गई 7 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा देश में एस.सी.को 15त्न एस.टी. को 7.5त्न तथा ओ.बी.सी. को 27त्न इस प्रकार कुल 49.5त्न आरक्षण को 9 जजों की संवैधानिक पीठ द्वारा विधि करार दिया गया तथा इंद्रा शाहनी के ही प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 50त्न की सीमा की सीमा को सिथिल करते हुए कहा गया की विशेष परिस्थितियों में कुल आरक्षण 50त्न की सीमा से ज्यादा हो सकता है 7 इंद्रा सहनी के ही प्रकरण में अन्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए दिनांक 25/9/91 को दिया गया

10त्नआरक्षण को सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहते हुए असंवैधानिक घोषित कर दिया गया की आरक्षण गरीबी हटाओ उन्मूलन के तौर पर लागू नही किया जा सकता तब भारत सरकार ने 103 वा संविधान संशोधन करके अधिकतम 10त्न आरक्षण लागू करने का प्रावधान किया गया जिसे सरकार ने होरीजोंटल लागू न करके वर्टिकल लागू किया गया है जिससे सम्पूर्ण देश में वर्मान में 60त्न आरक्षण लागू है तथा मध्य प्रदेश में भी 60त्न अरक्षण लागू है केवल ओ.बी.सी. वर्ग के 27त्न अरक्षण को अधिक बताया जाना संवैधानिक सम्मत नही है और न ही न्यायसंगत 7 उदाहार्ण देते हुए कोर्ट को बताया की तमिलनाडू में 1927 से जनसंख्या के अनुपात में ओ.बी.सी. वर्ग को आरक्षण दिया जा रहा है जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई फैसलों में रेखांकित भी किया गया है 7 अधिवक्ता ने यह भी बताया की संविधान के अनुच्छेद 330 एवं 332 में एस.सी. एवं एस.टी वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में लोकसभा तथा राज्यों की विधान सभा में निर्धारित समय सीमा के लिए आरक्षण दिया गया था 7 जबकी एस.सी., एस.टी. एवं ओ.बी.सी. को संविधान के अनुच्छेद 15(4) में शिक्षा में आरक्षण एवं 16(4) मे तहत नौकरियों में अमुचित अरक्षण की व्यवस्था की गई है 7 उक्त अनुच्छेद में कही भी अधिकतम आरक्षण की सीमा निर्धारित नही की गई है 7 संविधान में मात्र द्ब2ह्य अरक्षण अधिकतम 10त्न का प्रावधान किया गया है 7 उप्रोक तर्कों को हाईकोर्ट की डिविजन बैंच द्वारा बेहद गंभीरता से लेते हुए आगे की वहस दिनांक 29 जुलाई नियत की गई है 7 ओ.बी.सी. वर्ग की और से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, विनायक प्रसाद शाह, पुष्पेन्द्र कुमार शाह, परमानन्द साहू, उदय साहू, आर जी वर्मा, अभिलाषा लोधी , रामभजन लोधी पैरवी कर रहे है 7

परीक्षा देकर भर्ती संविदा कर्मियों पुनः परीक्षा न लेकर नियमित नियुक्ति प्रदान करें

परीक्षा में अनाराक्षित वर्ग हेतु 50 अंक, आरक्षित वर्ग हेतु 40 अंक का निर्धारण हो -राकेश डी पी पाठक

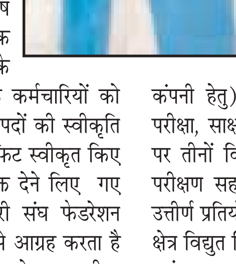

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने मुख्यमंत्री माननीय डॉ मोहन यादव जी, ऊर्जा मंत्री माननीय प्रघुम्न सिंह तोमर जी, प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री मनीष सिंह जी सचिव ऊर्जा एवं सीएमडी पावर मैनेजमेंट कंपनी श्री विशेष गढ़पाले जी को पत्र प्रेषित कर कहा कि आपके सराहनीय निर्णय से लम्बे समय के बाद बिजली कंपनियों में सभी श्रेणियों के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिल रहा है,नई भर्ती हेतु पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है, 20 वर्षों बाद फ्रिंज बेनी फिट स्वीकृत किए गए हैं। संविदा कर्मियों को नियमित नियुक्ति देने लिए गए निर्णय के लिए मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन अभिनंदन,आभार व्यक्त करता है और आपसे आग्रह करता है निकाला गया नया आदेश संविदा कर्मियों से पुनः परीक्षा लेकर नियुक्ति दी जाना इन संविदा कर्मियों के साथ संवेदनशील रवैए और सकारात्मक सोच के विपरीत है। क्यों कि सभी संविदा कर्मी बिजली कंपनियों में विधिवत परीक्षा देकर, पास होकर ही नियुक्त किए गए हैं। अतः महोदय जी 15 वर्षों से इंतजार कर रहे इन संविदा कर्मियों पर कृपा करें और इनसे बिना परीक्षा लेकर नियमित नियुक्ति प्रदान करें। इसी तरह नई नियुक्ति के लिए अनारक्षित वर्ग हेतु न्यूनतम अंक 80 और आरक्षित वर्ग हेतु न्यूनतम अंक 70 निर्धारित किए गए हैं जो बहुत ज्यादा है इससे अधिकतर संविदा कर्मी सफ़ल ही नहीं हो पाएंगे और इतने लम्बे इंतजार के बाद भी उसी पद पर रह जाएंगे। इसमें भी कृप्या संशोधन करने की कृपा करें। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि तीनों विद्युत वितरण कंपनियों में लगभग 15 वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों पर बिना शर्त, बिना परीक्षा लेकर तत्काल संविलयन् , नियमित किया जाना चाहिए। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि परीक्षण सहायक नियमित भर्ती 2013 में 1339 पदों पर (तीनों विद्युत वितरण कंपनी हेतु) ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे (प्रतियोगी परीक्षा, साक्षात्कार एवं दस्तावेजों के सत्यापन पश्चात) जहां पर तीनों विद्युत कंपनियों ने कुल 1339 पदों पर नियमित परीक्षण सहायक भर्ती करने के पश्चात शेष लगभग 1550 उत्तीर्ण प्रतियोगियों को प्रतीक्षा सूची में शामिल करते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने संविदा पर नियुक्ति प्रदान की गई एवं कुछ महीनो बाद इन्हीं प्रतीक्षा सूची में से तीनों वितरण कंपनियों ने सैकड़ो लोगों को नियमित नियुक्ति प्रदान कर दी गई जहां कुछ विद्युत दुर्घटना में काल के गाल में समा गए, कुछ लोगों ने स्वयं को असुरक्षित समझते हुए विभाग से त्यागपत्र देकर अन्य केंद्रीय एवं राज्य की सेवा में चले गए एवं कुछ विभाग की प्रतियोगी परीक्षाओं से चयनित होकर नियमित हो गए जबकि *वर्तमान में उपरोक्त में से शेष बचे लगभग 650 कर्मचारी अब भी 13 वर्षों से सरकार के न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं जैसा की 2013 विधानसभा चुनाव पूर्व भाजपा घोषणा पत्र में भी विद्युत वितरण कंपनियों में कार्यरत सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की घोषणा की गई थी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

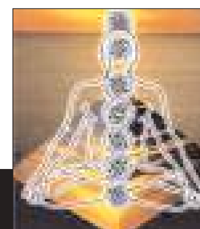

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता

हैकर कुडनकुलम परमाणु संयंत्र का अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंट; तथा विक्रेताओं/ आपूर्तिकर्ताओं की सूची को डार्क वेब पर डाल दिया गया है। डेटा चोरी की ताजा घटना ने भारत की साइबर सुरक्षा से संबंधित कमजोरियों को फिर उजागर किया है। न्यूक्लीयर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का दावा है कि लीक डेटा परमाणु सुरक्षा प्रणाली से संबंधित नहीं है। बहरहाल, इसे मान भी लिया जाए, तब भी इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि हैकर भारतीय परमाणु कार्यक्रम से संबंधित अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंट; तथा विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं की सूची को 'वर्ल्ड लीक्स' नामक रैनसमवेयर ने चुरा लिया। इस डेटा के संचालन का ठेका 2018 में अनिल अंबानी की कंपनी को दिया गया था। इसके पहले 'वर्ल्ड लीक्स' ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी से डेटा चुराकर उसे डार्क वेब पर डाल दिया था। बताया जाता है कि दोनों घटनाओं को मिलाकर लगभग 10 लाख से अधिक संवेदनशील फाइलें लीक हुई हैं। स्पष्टत: यह केवल दो निजी कंपनियों की सुरक्षा में चूक का मामला नहीं है। बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, भू-राजनीतिक साख, और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर सीधा प्रहार है। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र की मुख्य रिएक्टर प्रणाली भले सुरक्षित हो, लेकिन थर्ड पार्टी के सर्वर से संयंत्र की आंतरिक संवेदनशील संरचना का डार्क वेब पर पहुंच जाना दर्शाता है कि हमारी रणनीतिक सुरक्षा की कड़ियां कितनी कमजोर हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधित घटना भारतीय कॉरपोरेट जगत की आर्थिक और तकनीकी साख से संबंधित है।

देश के नागरिक अपने काम के लिए भगवान भरोसे

हरिशंकर व्यास

दुनिया के सभ्य व लोकतांत्रिक देशों की तर्ज पर भारत में भी हर सेक्टर के विनियमन के लिए संस्थाएं बनाई गई हैं। बैंकिंग से लेकर बीमा और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने से लेकर दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी करने वाली संस्थाएं हैं। विमानन सेक्टर को रेगुलेट करने वाली संस्था है तो शेयर बाजार की निगरानी करने वाली संस्था भी है। उच्च शिक्षा को विनियमित करने वाली संस्था है तो देश भर में परीक्षा का आयोजन करने वाली संस्था भी है। सड़क परिवहन से लेकर रेलवे के परिचालन तक की एजेंसियां बनी हैं। व्यापार में स्वतंत्र व निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए एजेंसी बनी है। उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए सिर्फ एजेंसी नहीं है, बल्कि अदालतें भी हैं।

आप नागरिक जीवन से जुड़े किसी भी काम के बारे में सोचें और फिर गूगल में सर्च करें तो आपको उस काम से जुड़ी सरकारी एजेंसी का पता चल जाएगा। सवाल है कि जब इतनी नियामक संस्थाएं हैं तो नागरिक सेवाएं नियमित और बेहतर क्यों नहीं हैं? जब इतनी एजेंसियां जनता के पैसे से ही काम कर रही हैं तो फिर जनता उन्हीं सेवाओं को लेकर इतनी परेशान क्यों है? इसका एकमात्र जवाब है कि संस्थाओं की कोई जवाबदेही नहीं है।

ऐसा लगता है कि सरकार और सारी सरकारी संस्थाओं व नियामक एजेंसियों के संचालन के लिए देश के नागरिक टैक्स तो भरते हैं लेकिन अपने काम के लिए भगवान भरोसे रहते हैं। यह अपवाद ही होता है कि किसी एजेंसी ने नागरिक की किसी समस्या का समाधान किया। जब ऐसा होता है तो उसकी खबर बनती है। अक्सर अखबारों में या इन दिनों तो सोशल मीडिया में खबर आती है कि किसी ट्रेन यात्री ने ट्रेन की बोगी में गंदगी होने या पानी नहीं होने की शिकायत सोशल मीडिया में की और रेल मंत्री को टैग किया तो तुरंत कार्रवाई हो गई। यह असल में पीआर एक्सरसाइज है। अगर सभ्य देश वाली व्यवस्था होती तो बोगी में गंदगी नहीं होती या पानी नहीं समाप्त हो गया होता। व्यवस्था ठीक तरीके से काम नहीं करती है तो उसके बारे में धारणा बनवाने के लिए ऐसी पीआर एक्सराइज की जाती है।

अगर सरकारी नियामक एजेंसियों की बात करें तो एक के बाद एक सारी एजेंसियां समान रूप से अक्षम या विफल दिखाई देंगी। भारत में बीमा सेक्टर को विनियमित करने के लिए इरेडा यानी इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी का गठन किया गया है। लेकिन भारत में बीमा सेक्टर में जैसी गड़बड़ी है वैसी दुनिया के किसी देश में नहीं होगी। इरेडा को लगातार शिकायतें मिल रही हैं लेकिन वह कोई कार्रवाई नहीं करती है। इरेडा को पता है और उसकी रिपोर्ट में बताया गया है कि बीमा एजेंट मिससेलिंग कर रहे हैं यानी झूठ बोल कर लोगों को बीमा बेच रहे हैं परंतु वह कोई प्रभावी कार्रवाई नही कर पाती है।

इरेडा के पास रिपोर्ट है कि निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियां 40 फीसदी तक क्लेम रिजेक्ट कर रही हैं या बीमा की रकम के मुकाबले बहुत कम भुगतान कर रही हैं। लेकिन वह कुछ नहीं कर रहा है या कर पा रहा है। जीवन बीमा में भी निजी कंपनियों का दावा भुगतान का रिकॉर्ड बहुत खराब है। निजी कंपनियों ने जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर एजेंट का कमीशन चार गुना बढ़ा दिया है, जिससे एजेंट मिससेलिंग ज्यादा करने लगे हैं और ग्राहकों का लाभ कम हुआ है। पर इरेडा को इसकी परवाह नहीं है। नागरिकों से ऊपर बीमा कंपनियों का हित है।

ऐसे ही विमानन सेक्टर को विनियमित करने के लिए नागरिक विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए बना है। लेकिन विमानों का परिचालन विमानन मंत्रालय या डीजीसीए के हिसाब से नहीं होता है, बल्कि विमानन कंपनियों के हिसाब से होता है। भारत में विमानन कंपनियां मनमाना किराया तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। ईंधन की किल्लत हुई थी तब सरकार ने इसे नियंत्रित करने का प्रयास किया था। हालांकि तब भी कंपनियां अपने हिसाब से काम करती थीं। लेकिन अब तो पाबंदी भी हटा दी गई है। एक हजार किलोमीटर की यात्रा का किराया भारत में कंपनियां 50 हजार रुपए से ज्यादा तक वसूलती हैं।

प्रयागराज में महाकुंभ के समय पांच सौ किलोमीटर की यात्रा के लिए भी 50 हजार रुपए से ज्यादा वसूले गए। विमानन कंपनियां मनमाना किराया वसूलती हैं और घटिया से घटिया सुविधा देती हैं। किराए की बात हो रही है तो बता दें कि सरकार ने विमानन कंपनियों से कहा था कि वे 60 फीसदी सीटें फ्री रखें और बिना पैसे के टिकट के साथ सीट बुक करें। लेकिन कंपनियों ने इसे मानने से इनकार कर दिया। बाद में सरकार को सरकुलर वापस लेना पड़ा। स्थिति यह है कि विमानन कंपनियां लगभग सारी सीटें अलग से बेचती हैं या टिकट के अलावा अलग से पैसे लेती हैं। अगर चार लोगों का परिवार यात्रा कर रहा है और सोचे कि बिना पैसे दिए सीट हासिल करें तो यह नामुमकिन होगा। अगर सीट मिल भी गई तो पूरा परिवार विमान में अलग अलग बैठा मिलेगा। विमान यात्री उनकी मर्जी के मोहताज होते हैं। एक घंटे तक की देरी को तो विमानन कंपनियां देरी भी नहीं मानती हैं और न इसके लिए खेद जताती हैं। भारत सरकार के एक मंत्री हैं शिवराज सिंह चौहान कुछ समय पहले एक विमान में टूटी कुर्सी पर बैठ कर आए थे। सोशल मीडिया में शिकायत भी की थी लेकिन हुआ कुछ नहीं। असल में पिछले 12 साल में एक एक करके विमानन कंपनियां बंद होती गईं और सरकार ने दो कंपनियों की मोनोपोली बन जाने दी। उसके बाद सरकार के हाथ में करने को कुछ नहीं रह गया है।

29 जुलाई को मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा का पर्व

आषाढ़ मास की पूर्णिमा 29 जुलाई को है। इस तिथि पर गुरु पूजा का महापर्व गुरु पूर्णिमा मनाया जाता है। आम इंसान ही नहीं, भगवान ने भी गुरु से ज्ञान प्राप्त किया है। गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास की जन्म तिथि है। वेदव्यास ने वेदों का संपादन किया। 18 मुख्य पुराणों के साथ ही महाभारत, श्रीमद् भागवत कथा जैसे ग्रंथों की रचना की थी। श्रीराम ने ऋषि वशिष्ठ और विश्वामित्र से ज्ञान प्राप्त किया, श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनि थे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार, गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि 28 जुलाई को शाम 6ः18 मिनट से शुरू होकर 29 जुलाई को रात 8ः05 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर गुरु पूर्णिमा का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा। हनुमान जी ने सूर्य देव को अपना गुरु बनाया था। भगवान दत्तात्रेय ने 24 गुरु बनाए थे। इसीलिए गुरु का स्थान सबसे ऊंचा माना गया है। गुरु पूर्णिमा पर अपने गुरु की पूजा करें, अपने सामर्थ्य के अनुसार कोई उपहार दें और उनकी शिक्षाओं पर चलने का संकल्प लें। तभी जीवन में सुख-शांति के साथ ही सफलता भी मिल सकती है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि भारत में इस दिन को बहुत श्रद्धा- भाव से मनाया जाता है। धार्मिक शास्त्रों में भी गुरु के महत्व को बताया गया है। गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना जाता है, क्योंकि गुरु ही भगवान तक पहुंचने का मार्ग बताते हैं। हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण पर्वों में से एक गुरु पूर्णिमा है। यह शुभ दिन गुरु की पूजा और उनका सम्मान करने के लिए समर्पित है, जो ज्ञान और आत्मज्ञान के मार्ग पर व्यक्तियों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिन्दू धर्म में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर माना गया है। इनकी पूजा का दिन होता है गुरु पूर्णिमा, जो हर साल आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।

दतिया- उपचुनाव- कोई भी जीते, हारेंगे नरोत्तम

डॉ. सुधीर सक्सेना

दतिया में मतदान सन्निकट है। कहने को यह चुनाव दोनों प्रमुख दलों - कांग्रेस और भाजपा के बीच हो रहा है, लेकिन आजाद समाज पार्टी ने आमने-सामने की सीधी लड़ाई को पेचीदा त्रिकोणीय संघर्ष में बदलकर हार-जीत के समीकरणों को गड़बड़ा दिया है। आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर सिंह यादव के पेशगी तैयारी से मैदान में उतरने से संशय गहरा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सजातीय होने से अनेक लंतरानियां हवा में तैर रही हैं। चुनावी ऊंट की करवट को दादा (नरोत्तम मिश्र) की मौन मनौती से जोड़कर भी देखा जा रहा है। इसे हरेक अपने-अपने तरीके से बूझ रहा है। वस्तुतः डॉ. नरोत्तम मिश्र की स्थिति तलवार की धार पे धावनों सरीखी हो गयी है। बीजेपी की जय और पराजय दोनों ही स्थितियों में उनके लिये नफा, कम, नुकसान ज्यादा का खतरा सन्निहित है।

डॉ. नरोत्तम मिश्र इस सामंती इलाके में दादा के संबोधन से नवाजे जाते हैं। यह संबोधन उनकी हैसियत और छवि दोनों की चुगली करता है। इसमें आदर और दबंगई का ऐसा घोल है, जिसमें दोनों को पृथक्कृत नहीं किया जा सकता। इलाके में उनकी लोकप्रियता भी है और दबदबा भी। वह पारिवारिक प्रसंगों से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों और सामाजिक समारोहों में शिरकत करते रहे हैं। उन्होंने अपनों को कृतार्थ किया तो बैरियों को सबक सिखाया। हाजिरजवाबी और शेरोशायरी से वह जलसों और महफिलों की शान रहे। पार्टी के लिये वह संकटमोचन रहे। उनकी साधन संपन्नता कइयों की ईर्ष्या का विषय बनी। दिल्ली के सत्ता सौध में वह एक अत्यंत प्रभावशाली नेता की नाक का बाल रहे और दिलचस्प तौर पर उन्होंने अपनी नाक के बालों का भी भरपूर खयाल रखा। कमलनाथ-सरकार को गिराने में भी उनकी नेपथ्य में महत्वपूर्ण भूमिका रही। अपने बयानों से वह सुर्खियों में रहे और आचरण से विवादास्पद। सूबे का सीएम बनने की उनकी महत्वाकांक्षा भी किसी से छिपी नहीं रह सकी।

यही वे सन्दर्भ हैं, जो डॉ. नरोत्तम मिश्र को सत्तारूढ़ बीजेपी में अद्वितीय या विशिष्ट बनाते हैं। यही विशिष्ट नरोत्तम इस बार दतिया के उपचुनाव में टिकट से वंचित रहे। दादा का बेटिकट होना दादा के समर्थकों को कितना नागवार गुजरा, यह बीजेपी के नये नवेले उम्मीदवार के नाम का ऐलान होते ही जगजाहिर हो गया। दादा नहीं तो कोई नहीं की रौ में दादा के उग्र समर्थकों ने खूब बवाल काटा। और दादा ...? बेबसी में दादा की आंखों में आंसू तिर आये। अब दादा कुछ बोलें या मौन रहें, मगर ये अबोले आँसू मुखर होकर गुल खिला रखे हैं। उनकी यह बबसी और मायूसी उनके समर्थकों को इस कदर साल रही है कि उन्होंने बीजेपी को सबक सिखाने का मन बना लिया है। दतिया में सामान्य वर्ग में ब्राह्मण सबसे बड़ा वोट बैंक हैं। यह बैंक पहले विभाजित था, किंतु नये परिप्रेक्ष्य में तकरीबन पूरा समुदाय बीजेपी के हाथों से छिटक गया है।

दादा नरोत्तम इस चुनाव में प्रत्याशी नहीं हैं। न तो वह दलीय प्रत्याशी हैं और न ही निर्दल, लेकिन चुनावी-दंगल में उनकी मौजूदगी महसूस की जा रही है। पार्टी ने उनकी गति सांप-छछूंदर सी कर दी है। सुविचारित रणनीति के तहत उन्हें चुनाव प्रचार की कमान सौंपा दी गयी है।

साल में सिर्फ 24 घंटे होते हैं असली दर्शन

आंध्र प्रदेश का सिंहाचलम मंदिर भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार को समर्पित है। यह मंदिर बेहद दिव्य और अद्भुत है। आपको जानकर हैरानी होगी कि भगवान नरसिंह की मूर्ति से साल में सिर्फ 24 घंटे के लिए चंदन की परत हटाई जाती है। तभी यह मंदिर दर्शन के लिए खुलता है। ऐसे में भक्त साल में सिर्फ 24 घंटे के लिए भगवान नरसिंह के असली विग्रह के दर्शन कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर से जुड़ी कुछ अनोखी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

कहां स्थित है दिव्य धाम

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में सिंहाचलम मंदिर स्थित है। यह मंदिर आस्था और वास्तुकला का अनोखा और अद्भुत संगम है। विशाखापट्टनम से लगभग 16 किमी दूर वराह लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर सिंहाचल पर्वत की चोटी पर स्थित है। माना जाता है कि भगवान विष्णु के परम भक्त प्रह्लाद ने स्वयं इस मंदिर का निर्माण कराया था।

स्व-देखभाल: स्वस्थ व्यक्ति से विश्वकल्याण की भारतीय दृष्टि

मानव सभ्यता के विकास के इस दौर में जितनी तीव्र गति से विज्ञान, तकनीक और भौतिक संसाधनों का विस्तार हुआ है, उतनी ही तेजी से मनुष्य तनाव, अवसाद, असंतुलित जीवनशैली और अनेक नई बीमारियों के जाल में भी उलझता गया है। विडम्बना यह है कि आज मनुष्य के पास संसार की लगभग हर वस्तु के लिए समय है, लेकिन स्वयं के लिए समय नहीं है। वह परिवार, समाज, व्यवसाय और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन तो कर रहा है, परंतु अपने शरीर, मन और आत्मा के प्रति उत्तरदायित्व को लगातार उपेक्षित करता जा रहा है। ऐसे समय में प्रतिवर्ष 24 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय स्व-देखभाल दिवस केवल स्वास्थ्य जागरूकता का अभियान नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, सार्थक और मानवीय बनाने का वैश्विक संदेश है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ समाज, समृद्ध राष्ट्र और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति स्वयं की देखभाल को अपना प्रथम कर्तव्य माने। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2011 में इंटरनेशनल सेल्फ-केयर फाउंडेशन ने की। स्व-देखभाल केवल किसी विशेष दिन या अवसर का विषय नहीं, बल्कि चौबीस घंटे और सप्ताह के सातों दिन अपनाई जाने वाली जीवनशैली है।

स्व-देखभाल का अर्थ केवल बीमारी से बचना या समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है-अपने शरीर, मन, भावनाओं, विचारों और आत्मा की समग्र सुरक्षा एवं संवर्धन करना। आज विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस तथ्य को स्वीकार करता है कि यदि व्यक्ति अपनी जीवनशैली को संतुलित बनाए, पौष्टिक भोजन ग्रहण करे, नियमित व्यायाम करे, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखे और रोगों की रोकथाम को प्राथमिकता दे, तो स्वास्थ्य प्रणालियों पर अनावश्यक दबाव कम होगा और समाज अधिक स्वस्थ बनेगा। किंतु केवल चिकित्सकीय उपाय पर्याप्त नहीं हैं। मनुष्य का स्वास्थ्य तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके भीतर मानसिक संतुलन, नैतिक चेतना और आध्यात्मिक शांति का विकास न हो। वर्तमान समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य बाहर से जितना आधुनिक हुआ है, भीतर से उतना ही अशांत होता गया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद और अनियंत्रित महत्वाकांक्षाओं ने जीवन की सहजता को छीन लिया है। तनाव अब केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि परिवारों, विद्यालयों और बच्चों तक पहुँच गया है। यही कारण है कि आज मानसिक रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग और अवसाद जैसी समस्याएँ वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी हैं। ऐसे समय में स्व-देखभाल केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व भी है। भारत की दृष्टि से देखें तो स्व-देखभाल का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी सनातन सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग रहा है।

इस बार 13 दिन की होगी कांवड़ यात्रा

देवों के देव महादेव का सबसे प्रिय महीना सावन 30 जुलाई से शुरू हो रहा है। सावन का महीना शुरू होते ही पवित्र कांवड़ यात्रा भी आरंभ हो जाएगी। इस बार सावन की शुरुआत 30 जुलाई, गुरुवार से हो रही है, इसलिए इसी दिन से यात्रा शुरू होगी। इस यात्रा का समापन सावन शिवरात्रि के दिन यानी 11 अगस्त, मंगलवार को होगा। मुख्य रूप से कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगी, हालांकि कई जगह यह पूरे सावन चलती है।

3 से 11 अगस्त का समय रहेगा बेहद खास

3 अगस्त को सावन का पहला सोमवार है और 11 अगस्त को सावन शिवरात्रि है। इसलिए 3 से 11 अगस्त के बीच सड़कों और मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलेगी। इस दौरान शिव भक्त हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारे लगाते हुए अपने घरों और मंदिरों की ओर बढ़ते हैं।

सावन में कांवड़ यात्रा का धार्मिक महत्व

कांवड़ यात्रा को बहुत ही शुभ और पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि इस महीने में भगवान शिव की पूजा करने से जितना पुण्य मिलता है, उससे कहीं ज्यादा पुण्य कांवड़ यात्रा से मिलता है। भक्त नंगे पांव पैदल चलकर या गाड़ियों से पवित्र नदियों का जल लाते हैं और शिवलिंग पर चढ़ाते हैं।

श्री श्रृंगेश्वर धाम ः दिव्य आध्यात्मिक चेतना का जागृत तीर्थ

गुरु पूर्णिमा विशेष

भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि ऋषियों की तपस्या, संतों के त्याग और सनातन संस्कृति की आध्यात्मिक चेतना से निर्मित एक जीवंत सभ्यता है। इस भूमि का प्रत्येक तीर्थ केवल पूजा अर्चना का स्थल नहीं, बल्कि आत्मिक जागरण, लोक कल्याण और सांस्कृतिक निरंतरता का केंद्र रहा है। ऐसे अनेक पावन धाम आज भी देश के दूरस्थ अंचलों में स्थित है, जहां पहुँचते ही मन श्रद्धा से भर उठता है। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में माही एवं मधु कन्या नदियों के संगम पर स्थित श्री श्रृंगेश्वर धाम भी ऐसी ही दिव्य आध्यात्मिक ऊर्जा का जागृत केंद्र है। विडंबना यह है कि रामायणकालीन परम्पराओं से जुड़ा यह प्राचीन तीर्थ आज भी राष्ट्रीय पहचान का वह स्थान प्राप्त नहीं कर सका, जिसका वह वास्तविक अधिकारी है। सीमित संसाधनों और दुर्गम मार्गों के बावजूद हजारों श्रद्धालु प्रतिमाह पूर्णिमा और अमावस्या पर यहां पहुंचते हैं। आस्था की यही शक्ति किसी भी तीर्थ की सबसे बड़ी पहचान होती है।

गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु परम्परा के प्रति कृतज्ञता और समर्पण का पर्व है। ऐसे अवसर पर महान नागा संत ब्रह्मलीन श्री 1008 काशीगिरी जी महाराज का स्मरण स्वाभाविक है, जिन्होंने अपने तप, त्याग और दूरदर्शी चिंतन से श्री श्रृंगेश्वर धाम को जन जन की आस्था का केंद्र बनाने का संकल्प लिया। जिस समय यह क्षेत्र घने जंगलों और कठिन पहाड़ियों के बीच उपेक्षित पड़ा था, उस समय काशीगिरी जी महाराज ने इसे अपनी कर्मभूमि बनाकर पत्थर पत्थर में शिवत्व का स्वरूप गढ़ा। उनके अथक पुरुषार्थ का ही परिणाम है कि आज यह धाम हजारों श्रद्धालुओं की श्रद्धा का आधार बन चुका है।

स्थानीय परम्पराओं, संतों की वाणी और जनश्रुतियों के अनुसार यह पावन भूमि रामायणकालीन महर्षि ऋष्यश्रृंग (श्रृंगी ऋषि) की तपोभूमि मानी जाती है। मान्यता है कि उनके मस्तक पर हिरण के समान एक सींग था। अनेक तीर्थों में तपस्या और स्नान करने के बाद भी जब वह समाप्त नहीं हुआ, तब भगवान शिव की प्रेरणा से उन्होंने माही मनु कन्या संगम पर कठोर तप किया। इसी पावन संगम में उनका सींग विलीन हुआ और उन्होंने यहाँ भगवान शिव के शिवलिंग की स्थापना कर आराधना प्रारम्भ की। तभी से यह स्थान श्री श्रृंगेश्वर महादेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ। वाल्मीकि रामायण के बालकाण्ड में वर्णित है कि अयोध्या नरेश महाराजा दशरथ पुत्रकामेष्टि यज्ञ के लिए महर्षि ऋष्यश्रृंग को आमंत्रित करने स्वयं उनके आश्रम पहुंचे थे। इसी यज्ञ के फलस्वरूप भगवान श्री राम सहित चारों राजकुमारों का जन्म हुआ। इस दृष्टि से श्री श्रृंगेश्वर धाम केवल एक स्थानीय आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

लोक मान्यताओं में यह भी कहा जाता है कि महर्षि श्रृंगी के पश्चात नागा संतों ने इस क्षेत्र को अपनी साधना स्थली बनाया। लगभग दो शताब्दियों पूर्व ब्रह्मलीन श्री 1008 काशीगिरी जी महाराज ने इस दुर्गम वन क्षेत्र को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने अपने हाथों से पत्थरों को तराशकर श्री श्रृंगेश्वर महादेव का मंदिर निर्मित कराया और इस क्षेत्र को जन आस्था के केंद्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया। समय के साथ माही परियोजना के कारण प्राचीन श्रृंगेश्वर महादेव मंदिर जलमग्न क्षेत्र में आ गया। वर्ष के अधिकांश समय यह मंदिर जल के भीतर रहता है और केवल ग्रीष्म ऋतु में दर्शन देता है। किंतु यह भी इस धाम की आध्यात्मिक महिमा का अद्भुत प्रतीक है कि जलमग्न होने के बाद भी श्रद्धालुओं की आस्था कभी कम नहीं हुई। उलटे, श्रद्धा का प्रवाह निरंतर बढ़ता ही गया। ब्रह्मलीन काशी गिरी जी महाराज की दूरदर्शिता इसी से स्पष्ट होती है कि उन्होंने वर्षों पहले ही नवीन श्रृंगेश्वर धाम की आधारशिला रख दी थी। उनका विश्वास था कि एक दिन महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर की भाँति श्रृंगेश्वर धाम भी मध्य प्रदेश की आध्यात्मिक पहचान बनेगा। आज उनके उत्तराधिकारी महंत श्री रामेश्वर गिरी जी महाराज, श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय महासचिव के रूप में, उसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए धाम के विकास और संरक्षण में निरंतर जुटे हुए हैं।

आज आवश्यकता केवल मंदिर निर्माण या धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं है। आवश्यकता है कि श्री श्रृंगेश्वर धाम को एक समग्र आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। नियमित परिवहन सुविधा, बेहतर सड़क संपर्क, श्रद्धालुओं के लिए आवास, शोध एवं सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र तथा धार्मिक पर्यटन की आधुनिक व्यवस्थाएँ इस क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिला सकती हैं। इससे न केवल झाबुआ जिले का आर्थिक और सामाजिक विकास होगा, बल्कि आदिवासी अंचल की सांस्कृतिक विरासत को भी नया सम्मान मिलेगा। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि मध्य प्रदेश शासन उज्जैन के महाकाल लोक की तर्ज पर श्री श्रृंगेश्वर लोक की परिकल्पना को मूर्त रूप देने की दिशा में गंभीर पहल करे। यह केवल एक धार्मिक परियोजना नहीं होगी, बल्कि भारतीय संस्कृति, गुरु-परम्परा और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण का ऐतिहासिक कार्य सिद्ध होगा। भारत की आत्मा उसके तीर्थों में बसती है और तीर्थों की आत्मा वहाँ तप करने वाले ऋषियों एवं संतों में। श्री श्रृंगेश्वर धाम उसी सनातन चेतना का जीवंत प्रतीक है। आवश्यकता केवल इतनी है कि शासन, समाज और श्रद्धालु मिलकर इस दिव्य धरोहर को वह सम्मान दें, जिसकी वह सदियों से प्रतीक्षा कर रही है। यही गुरु पूर्णिमा का सच्चा संदेश और गुरु-परम्परा के प्रति हमारी वास्तविक श्रद्धांजलि होगी।

अरविन्द रावल
गोपाल कॉलोनी, झाबुआ (म.प्र.)

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि- आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भरपूर प्रयास करेंगे। आज आप मजबूती के साथ एक नई शुरुआत करेंगे।

वृष राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज अचानक ही महत्वपूर्ण काम के पूरे हो जाने से आपको बहुत प्रसन्नता होगी। आज आपका अधिकतम समय धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में बीतेगा।

मिथुन राशि- आज आपका दिन ताजगी भरा रहेगा। आज कारोबार में छोटी-छोटी बारीकियां समझना जरूरी है किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उचित रहेगा। आज आपकी खास इच्छा पूरी होने की उम्मीद है।

कर्क राशि- आज आपका दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज के दिन यदि धैर्य और समझदारी से कार्य करेंगे तो आपको सफलता मिलनी तय है। घर के रखरखाव अथवा नवीनीकरण संबंधी योजना बना सकते हैं। आज आपको पुराने दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिल सकता है।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए लकी साबित होने वाला है। आज आप घर पर ही धार्मिक अनुष्ठान करवाने की योजना बनायेंगे। भविष्य को लेकर बनाई कार्य योजनाएं आज कारगर साबित होंगी। आज संतान को सफलता मिलने से घर में खुशियां बढ़ेगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन आपके लिए यादगार साबित होगा। प्रतियोगी छात्रों के लिए किसी परीक्षा का मोस्ट अवेटेड रिजल्ट उनके पक्ष में आएगा। आज उनका चयन प्रशासनिक क्षेत्र में हो जाने से घर में उत्सव जैसा माहौल होगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। आज हर रोज की गतिविधियों और व्यस्तता से राहत पाने के लिए कुछ समय अपने लिए भी जरूर निकालें।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। मीडिया और ऑनलाइन माध्यम से आपको बिजनेस से रिलेटेड जानकारी मिलती रहेगी। पैतृक संपत्ति से लाभान्वित हो सकते हैं।

धनु राशि- आज आपका दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आपकी कार्य योजनाओं को आज सकारात्मक दिशा मिलेगी। रियल स्टेट और प्रॉपर्टी संबंधी रुका हुआ मामला किसी खास व्यक्ति की मदद से पूरा हो जाएगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके जीवन में नई संभावनाएं लेकर आने वाला है। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे साथ ही पिछले कुछ समय से चल रही आर्थिक समस्याओं से आज राहत मिलेगी।

कुंभ राशि- आज दिन आपके लिए ज्ञानवर्धक रहेगा। आज आप किसी सेमिनार में हिस्सा लेंगे जहां आप काफी जानकार लोगों से मिलेगे कुछ नया सीखने को मिलेगा इसके अलावा किसी धार्मिक समारोह अथवा सम्मेलन में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके फेवर में रहेगा। टेक्नोलॉजी से जुड़े लोगों को आज नए अवसर मिलेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, किसी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। इस समय कई खर्चे सामने आएंगे,

भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में कराए जा रहे तथाकथित विधानसभा चुनावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पाकिस्तान की ओर से अपने अवैध कब्जे को वैध ठहराने की एक 卐कॉस्मेटिक卐 यानी महज दिखावटी कवायद बताया है। विदेश मंत्रालय के मीडिया ब्रीफिंग में मंगलवार को प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश, जिनमें पाकिस्तान के अवैध और जबरन कब्जे वाले क्षेत्र भी शामिल हैं, भारत का अभिन्न अंग हैं।

विपक्ष के सांसदों ने सरकार पर लगाया आरोप, कहा-सरकार जनता और छात्रों को कानून के नाम पर कर रही गुमराह

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान सोमवार को सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026, छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों को लेकर विपक्ष ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने सरकार पर छात्रों के साथ कठोर व्यवहार करने, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीरता नहीं दिखाने का आरोप लगाया। वहीं, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी और गृह मंत्री अमित शाह की निंदा की भी मांग दोहराई। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें यह जानकारी मिली है कि बिहार और पश्चिम बंगाल में छात्रों के खिलाफ अब भी एफआईआर दर्ज की जा रही हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस सूचना की अभी पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यदि इसकी पुष्टि ही नहीं हुई है, तो फिर इस पर बहस का क्या औचित्य है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सार्वजनिक परीक्षाओं संशोधन विधेयक पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार पहले भी इस विषय पर कानून बना चुकी है। उन्होंने पूछा कि यदि पहले के कानून पर्याप्त थे, तो नए संशोधन की आवश्यकता क्यों पड़ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया और सवाल किया कि क्या सरकार को पढ़े-लिखे छात्रों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा महसूस हो रहा था। यदि सरकार वास्तव में कार्रवाई करना चाहती, तो अब तक जांच एजेंसियां ठोस नतीजे सामने ला चुकी होतीं।

इमरान मसूद ने पेपर लीक के मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अभी तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर पाया है और मुख्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। उनके अनुसार सरकार केवल नए कानून लाने की बात कर रही है, जबकि प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि यदि समय पर कार्रवाई होती, तो उसके परिणाम भी दिखाई देते।

लोकसभा में कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान आरोप लगाया कि सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को बचाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक अदालत ने एक आरोपी को जांच में खामियों के कारण बरी कर दिया था, जिससे स्पष्ट होता है कि केवल कानून में बदलाव पर्याप्त नहीं है, बल्कि निष्पक्ष और प्रभावी जांच भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें नहीं लगता कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार को लेकर गंभीर हैं।

कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमन सिंह ने भी सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी भी कानून की सफलता उसके क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि यदि 90 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल नहीं होती, तो आरोपी कानूनी प्रक्रिया के तहत रिहा हो सकता है। उनके अनुसार असली मुद्दा सरकार की नीयत का है। यदि सरकार की मंशा साफ है तो कोई भी कानून प्रभावी हो सकता है, लेकिन यदि इच्छाशक्ति नहीं है तो नया विधेयक भी बेअसर साबित होगा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सौगत रॉय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में सुधार के लिए हाई पावर्ड टास्क फोर्स के गठन का स्वागत किया, लेकिन कहा कि इससे विपक्ष की प्रमुख मांगें पूरी नहीं होतीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी की मांग दोहराते हुए छात्रों के खिलाफ कथित पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर गृह मंत्री अमित शाह की निंदा की मांग की। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सवाल उठाना है और सबूत देना अदालत का विषय है।

झामुमो सांसद महुआ माजी ने कहा कि उनकी पार्टी विधेयक पर गंभीर चर्चा चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पहले भी पेपर लीक रोकने के आश्वासन देती रही है, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल की घटनाएं सामने आईं और भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए विपक्ष की राय लेकर कानून बनाया जाना चाहिए।

नई दिल्ली में संसद के मॉनसून सत्र के दौरान सांसद पप्पू यादव ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अपनी पत्नी गीतांजलि आंग्मो के साथ नई दिल्ली के राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल योजना से मेरा कोई संबंध नहीं : नितिन गडकरी

मुंबई (आरएनएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर अपनी याचिका में स्पष्ट किया है कि पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की सरकारी योजना से उनका कोई व्यक्तिगत या आधिकारिक संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम और ई-20 पहल से जुड़े किसी भी निर्णय, नीति निर्माण या संचालन प्रक्रिया में उनकी कोई भूमिका नहीं है।

गडकरी ने यह याचिका कथित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार किए गए डीपफेक वीडियो और छेड़छाड़ की गई डिजिटल सामग्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर दायर की है। उनका आरोप है कि कुछ डिजिटल माध्यमों पर उनके और उनके परिवार को इथेनॉल योजनाओं से गलत तरीके से जोड़कर भ्रामक जानकारी प्रसारित की गई, जिससे उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया।

गडकरी ने अपनी याचिका में कहा है कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम और ई-20 पहल का संचालन केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा किया जाता है। इन योजनाओं से संबंधित नीतिगत निर्णय, प्रक्रिया और कार्यान्वयन में उनका कोई दखल नहीं है।

उन्होंने अदालत से मांग की है कि उनके खिलाफ गलत जानकारी फैलाने वाली सामग्री को हटाने के निर्देश दिए जाएं और ऐसी सामग्री के प्रसार पर रोक लगाई जाए।

रिपोर्ट के अनुसार, बॉम्बे हाई कोर्ट ने नितिन गडकरी को मेटा, एक्स कॉर्प और गूगल एलएलसी सहित कई डिजिटल मंचों के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर करने की अनुमति दे दी है।

गडकरी ने आरोप लगाया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से तैयार किए गए फर्जी वीडियो और बदली हुई डिजिटल सामग्री के माध्यम से उनके बारे में गलत दावे किए गए। अदालत अब आपत्तिजनक सामग्री हटाने और उस पर अंतरिम रोक लगाने की उनकी मांग पर सुनवाई करेगी।

नितिन गडकरी ने इससे पहले इथेनॉल कारोबार को लेकर उठ रहे आरोपों पर सफाई देते हुए कहा था कि उनके बेटों की कंपनियों की इथेनॉल क्षेत्र में हिस्सेदारी 0.5 प्रतिशत से भी कम है और इससे उन्हें कोई व्यक्तिगत आर्थिक लाभ नहीं मिलता।

उन्होंने बताया था कि उनके बेटों की कंपनियों पर करीब 1,600 करोड़ रुपये का कर्ज है। गडकरी ने इथेनॉल योजना से व्यक्तिगत लाभ मिलने के आरोपों को निराधार और गलत जानकारी पर आधारित बताया। केंद्रीय मंत्री का कहना है कि डिजिटल माध्यमों पर प्रसारित की गई भ्रामक सामग्री का उद्देश्य उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना है। उन्होंने अदालत से ऐसे मामलों में प्रभावी कार्रवाई और डिजिटल मंचों को जिम्मेदार ठहराने की मांग की है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत यह तय करेगी कि कथित आपत्तिजनक सामग्री को हटाने और उसके प्रसार को रोकने के लिए क्या अंतरिम निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

महाराष्ट्र में बारिश का कहरः शाहपुर में बाढ़ में युवक की मौत, दो अलग घटनाओं में एक-एक व्यक्ति लापता

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच अचानक आई बाढ़ ने दो अलग-अलग घटनाओं में जनहानि और लापता होने की घटनाओं को जन्म दिया है। ठाणे जिले के शाहपुर तालुका में झरने पर घूमने गए पर्यटकों का समूह तेज बहाव की चपेट में आ गया, जबकि नवी मुंबई में एक युवक बांध में नहाते समय लापता हो गया।

=झरने पर घूमने गए दोस्तों के साथ हुआ हादसा=

रविवार को कल्याण से पांच दोस्त शाहपुर तालुका के डोलखंब क्षेत्र स्थित चोंढे के पास एक झरने पर घूमने पहुंचे थे। दोपहर के समय जंगल क्षेत्र में अचानक मौसम बदला और तेज बारिश के कारण नाले का जलस्तर कुछ ही मिनटों में खतरनाक स्तर तक पहुंच गया। तेज बहाव में सभी पर्यटक फंस गए। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में 21 वर्षीय आकाश देशमुख की मौत हो गई। उनका शव देर शाम बरामद किया गया। वहीं, 34 वर्षीय दिनेश मंडलकर अब भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। एक अन्य घटना नवी मुंबई के दीघा क्षेत्र में सामने आई, जहां ठाणे-बेलापुर रोड स्थित एक बांध में तैरने गए 28 वर्षीय अंकुश गौड़ के डूबने की आशंका है।

नई दिल्ली में संसद के मॉनसून सत्र के दौरान विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

सदाचारी मनुष्य समाज में प्रतिष्ठा और सज्जनों का आदर प्राप्त करता है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स%पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया है। प्रधानमंत्री की ओर से एक्स पोस्ट में संस्कृत श्लोक, शीलवान् पूजितो लोके, शीलवान् साधुसम्मतः। शीलवान् सर्वकर्मार्हः, शीलवान् प्रियदर्शनः॥ शेयर किया गया है। जिसका हिंदी अर्थ है- सदाचारी मनुष्य समाज में प्रतिष्ठा और सज्जनों का आदर प्राप्त करता है। उत्तम चरित्र से युक्त व्यक्ति अपने सत्यनिष्ठा, विनम्र, और मर्यादित आचरण के कारण प्रत्येक उत्तरदायित्व के योग्य माना जाता है; उसका व्यक्तित्व सभी के लिए आकर्षक और अनुकरणीय होता है। वास्तव में, सफलता, प्रभावी नेतृत्व, और अटूट विश्वास का वास्तविक आधार उत्तम चरित्र ही है। पीएम ने 24 जुलाई को भी सोशल मीडिया पर सुभाषित शेयर किया था। उन्होंने श्लोक, कर्मणा मनसा वाचा यदभीक्ष्णं निषेवते। तदेवापहरत्येनं तस्मात्कल्याणमाचरेत॥ साझा किया था, जिसका हिंदी अर्थ है- मनुष्य अपने कर्मों, विचारों और वचनों के द्वारा जिस किसी भी विषय का निरन्तर अभ्यास करता है, वही अन्ततः उसके व्यक्तित्व को ढालकर उसे उसी दिशा में खींच ले जाता है, इसलिए मनुष्य को सदैव अपने चिंतन और संवाद में केवल कल्याणकारी विषयों को ही स्थान देना चाहिए।

आईएमडी ने कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की, अगले 14 घंटे कई राज्यों के लिए मुश्किल

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ओर से सोमवार को कई राज्यों में तेज बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की गई है। आईएमडी के लेटेस्ट बुलेटिन के मुताबिक, अगले 14 घंटे भारी बारिश की वजह से कई राज्यों के लिए बहुत मुश्किल रहने वाले हैं।

मौसम विभाग की ओर से चेतावनी दी गई है कि कुछ इलाकों में हवा की स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जिससे पेड़ उखड़ने, बिजली जाने, ट्रैफिक में रुकावट और निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बढ़ सकता है।

किसानों, यात्रियों और नदियों और तटीय इलाकों के पास रहने वाले लोगों को अलर्ट कर दिया गया है। पहाड़ी राज्यों में, अधिकारियों ने लगातार बारिश के कारण संभावित भूस्खलन और नदियों के पानी के लेवल में अचानक बढ़ोतरी के बारे में भी चेतावनी दी है।

आईएमडी की ओर से पूरे हफ्ते हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में काफी ज्यादा बारिश का अनुमान लगाया है। सोमवार से पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी बारिश की गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है, और इस हफ्ते कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। भारी बारिश के अलावा, मौसम विभाग ने राजस्थान और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी दी है,

पंजाब के संगरूर में भाजपा कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला

संगरूर (पंजाब)(आरएनएस)। पंजाब के संगरूर जिले में भाजपा के जिला कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला हुआ है। हमले से इमारत की चारदिवारी का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। हमला सोमवार तड़के 3 बजे हुआ है। विस्फोटक कार्यालय के बगल वाली सड़क से फेंका गया था। घटना की सूचना पर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गई हैं। इलाके में सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। इलाके को घेर लिया गया है।

संगरूर पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भाजपा कार्यालय में बीयर की बोतल में पेट्रोल भरकर फेंका गया था, अपराधियों उससे पेट्रोल बम बनाया था। भाजपा कार्यालय के रखरखाव करने वाले ने सोमवार सुबह एक स्थानीय भाजपा नेता को आग लगने की सूचना दी थी, जिसके बाद पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और पुलिस मौके पर पहुंची। भाजपा ने अभी तक किसी के ऊपर आरोप नहीं लगाया है। पुलिस भी मामले में पड़ताल कर रही है। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने संगरूर हमले को लेकर एक्स पर बयान दिया है।

नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र के दौरान रा%यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सदन में बोलते हुए.

नई दिल्ली में मॉनसून सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद धर्मेंद्र प्रधान।

जंतर-मंतर छात्र प्रदर्शनः पैलेट गन के इस्तेमाल की पुष्टि, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने शुरु की जांच

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों के संसद कूच के दौरान लाठीचार्ज और आंसू गैस के साथ पैलेट गन के इस्तेमाल की भी पुष्टि हो गई है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की आंतरिक जांच में सामने आया है कि कनॉट प्लेस में तैनात उसकी रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के एक जवान ने भीड़ नियंत्रण के दौरान पैलेट गन से सात गोलियां चलाई थीं।

रिपोर्ट के अनुसार, चलाई गई सात गोलियों में से पांच प्रदर्शनकारियों को लगीं, जबकि दो गोलियां जमीन पर गिरीं। इस घटना के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों द्वारा पैलेट गन के इस्तेमाल की जांच शुरू की थी, जिसमें यह तथ्य सामने आया है।

पैलेट गन के इस्तेमाल से घायल तीन लोगों का अस्पताल में उपचार कराया गया। इनमें गुरुग्राम में कार्यरत 25 वर्षीय इरशाद शेख, दिल्ली विश्वविद्यालय के 19 वर्षीय छात्र साहिल लोचब तथा 28 वर्षीय एक पत्रकार शामिल हैं, जो उस समय घटनास्थल पर मौजूद थे।

जांच के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों की ड्यूटी और हथियारों के उपयोग से संबंधित लॉग प्रविष्टियों की पड़ताल की गई। इसी जांच में यह स्पष्ट हुआ कि एक जवान ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सात बार पैलेट गन का प्रयोग किया था।

रिपोर्ट के अनुसार, रैपिड एक्शन फोर्स की महानिरीक्षक सीमा धुंधिया ने कहा कि 20 जुलाई के विरोध-प्रदर्शन के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए अपनाई गई बल प्रयोग की प्रक्रिया निर्धारित मानकों तथा रैपिड एक्शन फोर्स के प्रशिक्षण के अनुरूप नहीं थी।

उन्होंने यह टिप्पणी घटना की आंतरिक समीक्षा के बाद की, जिसमें परिचालन स्तर पर गंभीर चूक सामने आई। समीक्षा के आधार पर 22 जुलाई को महानिरीक्षक ने दिल्ली में तैनात कंपनी कमांडरों और कमांडेंटों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच जारी रखी है। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि भीड़ नियंत्रण के दौरान पैलेट गन का इस्तेमाल किन परिस्थितियों में किया गया और क्या संबंधित जवान ने निर्धारित नियमों एवं मानक संचालन प्रक्रिया का पालन किया था।

हाल ही में मुंबई में आयोजित एक इवेंट में सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी मौजूदगी से सभी का ध्यान खींच लिया। इस दौरान वह ब्लैक जंपसूट में बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत नजर आईं। उन्होंने अपना बेबी बंप भी फ्लॉन्ट किया। इवेंट में मौजूद पापाराजी के लिए सामंथा ने मुस्कुराते हुए पोज दिए और हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। सामंथा ने अपनी फिल्म मां इंती बंगारम के सक्सेस इवेंट के दौरान प्रेग्नेंसी की आधिकारिक पुष्टि की थी।

टीवी सबसे बड़ा स्कूल है, लोग इसे कम क्यों समझते हैं? निहारिका चौकसे ने इंडस्ट्री की सोच पर उठाए सवाल

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो तुम से तुम तक को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है।

निहारिका चौकसे ने कहा, मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है। उन्होंने आगे कहा, टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में

कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।निहारिका चौकसे ने कहा, मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है। रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।

सुमंत की फिल्म न्यूटनस थर्ड लॉ की ट्रेलर रिलीज़, 31 जुलाई को होगी रिलीज़

सुमंत न्यूटनस थर्ड लॉ नाम की दिलचस्प फिल्म के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने आ रहे हैं। इस फिल्म को हरीश कोहिरकर और ईटीवी विन ओरिजिनल प्रोडक्शन ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म के डायरेक्टर राजेश करना हैं और यह 31 जुलाई को रिलीज़ होने वाली है।

मेकर्स ने आज फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ किया। ट्रेलर की शुरुआत दिलचस्प तरीके से होती है, जिसमें वासुदेव एक पुलिस ऑफिसर के तौर पर जांच की ज़िम्मेदारी संभालते हैं और यह ट्रेलर रोमांचक एलिमेंट से भरपूर है।

इस दिलचस्प ट्रेलर में सुमंत और जगपति बाबू भी नज़र आए। बैकग्राउंड म्यूज़िक और सिनेमैटोग्राफी ने ट्रेलर को और भी शानदार बना दिया है।

प्रभास की स्पिरिट में कैटरीना कैफ की एंट्री? 2 साल बाद एक्ट्रेस की बड़े पर्दे पर होगी वापसी?

साउथ सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं. कुछ महीने पहले ही दीपिका पादुकोण इस फिल्म से बाहर हो चुकी हैं, जिसके बाद फिल्म में तृप्ति डिमरी और प्रभास की जोड़ी देखने को मिलेगी. इसी बीच फिल्म से जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है कि एक्ट्रेस कैटरीना कैफ भी फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं, जो फैंस के बीच चर्चा में है.

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के मेकर्स कैटरीना कैफ से कैमियो के लिए बात कर रहे हैं. फिल्म में उनका स्क्रीन टाइम कम हो सकता है, लेकिन वो एक मजबूत किरदार में दिखाई देंगी. अगर कैटरीना फिल्म में नजर आती हैं, तो ये उनके फैंस के लिए बहुत खास होने वाला है. शादी के बाद बड़े पर्दे पर वो बहुत कम दिखाई दी है और कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं पाई. इसीलिए स्पिरिट उनकी बड़ी फिल्मों में से एक हो सकती हैं. हालांकि कैटरीना या मेकर्स ने इसे लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया हैं. बता दें कि संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में नजर आने वाली थी. लेकिन न्यूज 18 शोशा के अनुसार, उन्होंने

मेकर्स से 8 घंटे की शिफ्ट, 25 करोड़ फीस के अलावा फिल्म के प्रॉफिट का 10त्न की मांग की थी. इसी वजह से मेकर्स और उनके बीच बात नहीं बनी और उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया.

जन नायकन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 3: विजय की फिल्म ने दिखाया दम, वर्ल्डवाइड किया 150 करोड़ का आंकड़ा पार

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर विजय की बहुप्रतीक्षित आखिरी फिल्म जन नायकन, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से सर्टिफिकेशन से जुड़ी दिक्कतों के कारण महीनों की देरी के बाद आखिरकार 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. फिल्म को क्रिटिक्स से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे ही दिन इसकी कमाई में गिरावट देखी गई. हालांकि, अब ऐसा लगता है कि फिल्म ने रिकवर कर लिया है. सैकनिल्क के अनुसार, जन नायकन ने अपने ओपनिंग डे पर 42.70 करोड़ रुपये की कमाई की थी. हालांकि, दूसरे दिन यानी पहले शुक्रवार को फिल्म की कमाई में 29.5त्न की गिरावट आई और इसने सिर्फ 21.51 करोड़ रुपये कमाए. लेकिन पहले शनिवार को फिल्म की कमाई में 38.7त्न का उछाल आया और इसने 12,299 शो में 28.50 करोड़ कमाए. इससे फिल्म की कुल इंडिया ग्रॉस कमाई 108.34 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि इसकी घरेलू नेट कमाई 92.35 करोड़ रुपये है. जन नायकन ने तमिल वर्शन में सबसे ज्यादा कमाई की है. फिल्म ने तमिल में 24.40 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसने हिंदी दर्शकों का भी ध्यान अपनी तरफ खींचा है. इसने तीन दिनों में कुल 2.70 करोड़ रुपये कमाए हैं. जबकि तेलुगु बेल्ट में इसने मात्र 1.40 करोड़ रुपये कमाए हैं. एच. विनोथ के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने महज़ तीन दिनों में दुनिया भर में 170 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और भारत में 100 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई करने वाली फिल्मों के क्लब में शामिल होने की राह पर है. शनिवार को इसने ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ रुपये कमाए थे, जिस कुल ओवरसीज कलेक्शन 63.50 करोड़ रुपये हो गए. इस तरह विजय की फिल्म ने दुनिया भर में 171.84 करोड़ रुपये कमाने में कामयाबी हासिल की है.

स्टेफ्री ने स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल पेश किया

पीरियड्स के दौरान लीकेज का डर हर पल महिलाओं को सताता रहता है, जिसके कारण उन्हें बार-बार अपने पैड चेक करने पड़ते हैं। महिलाओं की इस परेशानी को दूर करने के लिए भारत के अग्रणी मैंस्ट्रुअल हाईजीन ब्रांड, स्टेफ्री ने स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल पेश किया है। बेहतर स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल अपनी डबल लीक टेक्नोलॉजी के साथ 12 घंटे तक डबल प्रोटेक्शन प्रदान करता है*। इसका आउटर बैरियर पैड चेंज अलर्ट के रूप में काम करता है, जो पैड्स की श्रेणी में एक नया इनोवेशन है। अपग्रेडेड स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल महिलाओं को अपने पीरियड्स को ज्यादा आत्मविश्वास के साथ संभालने में समर्थ बनाता है और पीरियड्स के दौरान उनकी सुविधा बढ़ाता है।

स्टेफ्री इंडिया की मार्केटिंग डायरेक्टर, सुप्रिया श्रीनिवास ने कहा, ''पीरियड्स के दौरान महिलाओं को न केवल शारीरिक परेशानी होती है, बल्कि बार-बार टॉयलेट जाने, पर्याप्त संख्या में पैड लेकर चलने और दूसरे विकल्प तैयार रखने जैसे मानसिक तनाव भी झेलने पड़ते हैं। स्टेफ्री में हम उनकी इस वास्तविक परेशानी को समझते हैं और पीरियड्स के अनुभव को आसान बनाने के लिए निरंतर मेहनत करते हैं। इसीलिए हमने स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल पेश किया है। यह महिलाओं की इस मुख्य चिंता को दूर करता है कि ''उन्हें पैड कब बदलना चाहिए?''। स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल के ''पैड चेंज अलर्ट'' फीचर में 12 घंटे तक डबल प्रोटेक्शन देने के लिए ब्रांड की पेटेंटेड लीक लॉक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, ताकि महिलाएं पैड बदलने की चिंता छोड़कर पूरा दिन अपने काम पर फोकस कर सकें।'' डॉ. दिलीप त्रिपाठी, हेड, बेबी एंड वीमेंस हैल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट, केन्व्यू ने कहा, ''मेंस्ट्रुअल हाईजीन की श्रेणी पारंपरिक रूप से 'प्रोटेक्शन' पर केंद्रित रही है। यह महत्वपूर्ण तो है, पर पीरियड्स के दौरान कम्फर्ट भी बहुत जरूरी है, जिस पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। स्टेफ्री प्रोटेक्शन के साथ कम्फर्ट पेश करने वाले पहले ब्रांड्स में से एक है। यह महिलाओं को पीरियड्स के दौरान आत्मविश्वास के साथ कम्फर्ट भी प्रदान करता है। स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल के साथ हमारा नया इनोवेशन हमारी प्रतिबद्धता को और आगे बढ़ा रहा है तथा महिलाओं के व्यस्त जीवन में उनकी बढ़ती जरूरतों को पूरा कर रहा है। अलग-अलग जीवनशैली वाली महिलाओं से मिले फीडबैक और विस्तृत रिसर्च के आधार पर हमने 'पैड चेंज अलर्ट' और 'डबल लीक लॉक टेक्नोलॉजी' को एक साथ पेश किया है। अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को यूजर पर केंद्रित डिजाईन के साथ मिलाकर हम पीरियड्स के दौरान महिलाओं का अनुभव बेहतर बनाना चाहते हैं, ताकि वो ज्यादा आत्मविश्वास और नियंत्रण महसूस कर सकें।''

स्टेफ्री सिक्योर एक्सएल के प्रचार के लिए स्टेफ्री ने एक टेलीविजन एड के साथ जबरदस्त मार्केटिंग कैम्पेन शुरू किया।

शेविंग के बाद त्वचा पर हो जाते हैं लाल चकत्ते या दाने? न करें ये गलतियां

शेविंग एक आम प्रक्रिया है, जिसका इस्तेमाल लोग शरीर के अनचाहे बालों को हटाने के लिए करते हैं। हालांकि, कई बार शेविंग के बाद त्वचा पर लाल चकत्ते या छोटे-छोटे दाने हो जाते हैं, जो काफी असुविधाजनक हो सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिन्हें लोग शेविंग करते समय अनजाने में कर बैठते हैं और इनसे बचकर आप बिना किसी परेशानी के शेविंग कर सकते हैं।

पुराने शेवर का इस्तेमाल करना

कई लोग शेविंग के बाद शेवर को फेंक देते हैं, जबकि कुछ लोग उसे दोबारा इस्तेमाल कर लेते हैं। हालांकि, पुराने शेवर का इस्तेमाल करना सबसे बड़ी गलती है।

पुराने शेवर से शेव करने पर त्वचा पर कट लगने की संभावना बढ़ जाती है और इससे लाल चकत्ते या दाने हो सकते हैं।

इसलिए, हमेशा नए शेवर का इस्तेमाल करें, ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे और आपको कोई परेशानी न हो।

सूखी त्वचा पर शेविंग करना

गीली त्वचा पर शेविंग करने से बालों को हटाना आसान हो जाता है और इससे

त्वचा पर कोई खरोंच या जलन नहीं होती।

इसलिए, हमेशा नहाने के बाद या नहाते समय ही शेव करें, क्योंकि इससे न केवल आपके बाल आसानी से हटेंगे, बल्कि आपकी त्वचा भी मुलायम और ताजगी भरी महसूस होगी।

इसके अलावा गीली त्वचा पर शेविंग करने से उस्तरा के इस्तेमाल से होने वाली समस्याओं से भी बचा जा सकता है।

शेविंग क्रीम का इस्तेमाल न करना

शेविंग क्रीम का इस्तेमाल न करने से त्वचा पर जलन या खुजली हो सकती है। शेविंग क्रीम या जेल आपके बालों को मुलायम बनाती है और उस्तरा को आसानी से चलाने में मदद करती है।

इससे आपकी त्वचा भी सुरक्षित रहती है। अगर आप बिना शेविंग क्रीम के शेव करते हैं तो इसके कारण त्वचा पर लाल चकत्ते या दाने हो सकते हैं, जो काफी ज्यादा असुविधाजनक हो सकते हैं।

बहुत अधिक दबाव डालकर शेव करना

बहुत अधिक दबाव डालकर शेव करना भी एक बड़ी गलती है। कई लोग जल्दी-जल्दी बाल हटाने के चक्कर में शेवर पर जोर डाल देते हैं, जिससे त्वचा पर खरोंच लग सकती है या जलन हो सकती है।

हमेशा हल्के हाथों से शेवर चलाएं, ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे और आपको कोई परेशानी न हो।

इससे न केवल आपके बाल आसानी से हटेंगे, बल्कि आपकी त्वचा भी मुलायम और ताजगी भरी महसूस होगी।

शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर न लगाना

शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर लगाना बहुत जरूरी है। इससे आपकी त्वचा को नमी मिलती है और वह मुलायम रहती है।

अगर आप शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर नहीं लगाते तो आपकी त्वचा रूखी हो सकती है और उसमें खुजली या जलन भी हो सकती है।

इसलिए, शेविंग के बाद हमेशा मॉइस्चराइजर लगाएं, ताकि आपकी त्वचा स्वस्थ और ताजगी भरी रहे। इन गलतियों से बचकर आप अपनी शेविंग प्रक्रिया को सुरक्षित और आरामदायक बना सकते हैं।

बच्चों को छोटी उम्र में ही तैराकी सिखाने के मिल सकते हैं ये 5 फायदे

बच्चों को छोटी उम्र में तैराकी सिखाना एक बेहतरीन विचार हो सकता है। इससे न केवल उनका शारीरिक विकास होता है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना भी मिलती है। तैराकी सीखने से बच्चे पानी के प्रति डर को भी दूर कर सकते हैं और आपातकालीन स्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। इस लेख में हम 5 प्रमुख फायदों पर चर्चा करेंगे, जो बच्चों को तैराकी सिखाने से मिल सकते हैं।

शारीरिक विकास में मददगार

तैराकी एक ऐसी गतिविधि है, जो पूरे शरीर को सक्रिय रखती है। छोटे बच्चे जब तैराकी सीखते हैं तो उनकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनका शारीरिक विकास बेहतर होता है।

इसके अलावा तैराकी से बच्चों का संतुलन और तालमेल भी सुधरता है, जिससे वे शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय और स्वस्थ रहते हैं।

नियमित तैराकी से बच्चों की शारीरिक क्षमता बढ़ती है और उनका शरीर लचीला भी बनता है।

बढ़ता है आत्मविश्वास

तैराकी सीखने से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। जब बच्चे पानी में तैरना सीखते हैं और इसमें माहिर होते हैं तो उनका आत्मसम्मान भी बढ़ता है।

वे खुद पर विश्वास करना सीखते हैं और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। इसके अलावा पानी में समय बिताने से बच्चे अधिक आत्मनिर्भर बनते हैं और उनकी समस्या समाधान की क्षमता भी बेहतर होती है।

इससे उनका मानसिक विकास भी होता है।

आपातकालीन स्थितियों में खुद को रख सकते हैं सुरक्षित

तैराकी सीखने से बच्चे आपातकालीन स्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। अगर कभी भी किसी तरह की दुर्घटना हो जाए या किसी को मदद की जरूरत पड़े तो बच्चे तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

इसके अलावा तैराकी सिखाने से बच्चे पानी के प्रति जागरूक रहते हैं और उसमें सुरक्षित तरीके से समय बिताते हैं।

इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और वे अधिक जिम्मेदारी से व्यवहार करते हैं।

सामाजिक संबंध बनाने का मिलता है मौका

तैराकी क्लासेस या स्विमिंग पूल पर जाकर बच्चे नए दोस्तों से मिलते हैं और सामाजिक संबंध बनाने का मौका मिलता है।

वे टीम वर्क सीखते हैं और दूसरों के साथ मिलकर काम करना जानते हैं। इसके अलावा तैराकी सिखाने से बच्चों में सहयोग की भावना भी विकसित होती है।

इससे वे दूसरों की मदद करना और साथ मिलकर काम करना सीखते हैं। तैराकी क्लासेस बच्चों के सामाजिक जीवन को समृद्ध बनाती हैं और उन्हें एकजुटता का अनुभव कराती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी है लाभदायक

तैराकी केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होती है। पानी में समय बिताने से मन शांत रहता है और तनाव कम होता है।

शब्द सामर्थ्य -112

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुलबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सवेरा।

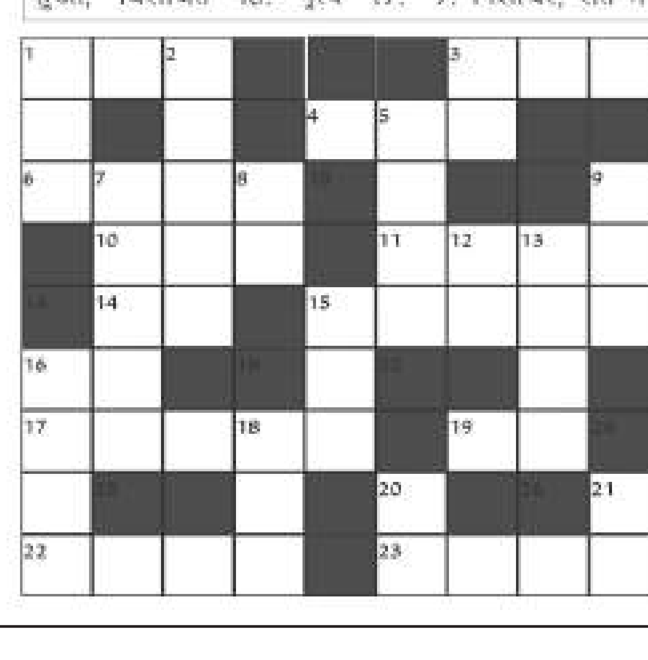

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 111 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		वं		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना रांझी में मेडिकल कॉलेज से सूचना मिली कि श्रीमति मोनिका चौधरी उम्र 35 वर्ष निवासी उदयनगर नम्बर 1 थाना रांझी ने सुबह लगभग 9-30 बजे घर पर फासी लगा लेने के कारण पति सुभाष चौधरी द्वारा दिनांक 15-7-26 के 11 बजे मेडिकल कॉलेज लाया गया था डाक्टर ने चैक कर मोनिका चौधरी को मृत घोषित कर दिया। पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

निशातपुरा स्टेशन को मिली बड़ी रेल सुविधा, दो एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव का शुभारंभ

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल के निशातपुरा (भोपाल) रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को बड़ी रेल सुविधा प्रदान करते हुए दिनांक 28 जुलाई 2026 को दो महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों के नियमित ठहराव का शुभारंभ किया गया। निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डॉ. अंबेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा मालवा एक्सप्रेस एवं जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस के निशातपुरा स्टेशन पर नियमित ठहराव का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर माननीय खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, माननीय सांसद श्री आलोक शर्मा, माननीय विधायक एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रेल प्रशासन की ओर से पमरे महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह, मंडल रेल प्रबंधक भोपाल श्री पंकज त्यागी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि रानी कमलापति स्टेशन, वंदे भारत ट्रेनों और मेट्रो सेवाओं के बाद भोपाल को अत्याधुनिक निशातपुरा रेलवे स्टेशन की सौगात मिली है। लगभग ?14 करोड़ की लागत से विकसित यह स्टेशन भोपाल का पाँचवाँ यात्री स्टेशन है, जहाँ फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट, हाई लेवल प्लेटफॉर्म, आधुनिक प्रतीक्षालय, कोच गाइडेंस एवं ट्रेन इंडिकेटर सिस्टम, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएँ, पार्किंग सहित आधुनिक यात्री सुविधाएँ उपलब्ध हैं। मालवा एवं सोमनाथ एक्सप्रेस के ठहराव से हजारों यात्रियों को लाभ मिलेगा और भोपाल जंक्शन पर यात्री दबाव कम होगा। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में ?1.18 लाख करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 80 स्टेशनों का पुनर्विकास, शत-प्रतिशत रेल विद्युतीकरण प्रदेश में रेल विकास को नई गति दे रही हैं।इन दोनों महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों के निशातपुरा स्टेशन पर ठहराव से भोपाल एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन में बेहतर सुविधा मिलेगी। यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त यात्रा एवं समय की आवश्यकता कम होगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। साथ ही, क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत होगी।निशातपुरा स्टेशन पर इन ट्रेनों के नियमित ठहराव से क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है। यह सुविधा भोपाल एवं आसपास के यात्रियों को प्रमुख शहरों एवं धार्मिक स्थलों के लिए बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पश्चिम मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं क्षेत्र की बढ़ती परिवहन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर रेल सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। निशातपुरा स्टेशन पर इन दो एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव से भोपाल क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर, सुविधाजनक एवं सुगम रेल यात्रा का लाभ मिलेगा।

नरसिंह मन्दिर में सामूहिक सुंदर कांड पाठ किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मिलन के 75 वे वर्ष के आयोजनों के तारतम्य में विगत दिवस नरसिंह मन्दिर जबलपुर में सामूहिक सुंदर कांड पाठ किया गया जिसमें हमने तो 75 प्रतिभागी रखे थे परन्तु 131 लोगो ने एक साथ पाठ कर कार्यक्रम को भव्य स्वरूप प्रदान किया इस अवसर पर प्रधान संरक्षक महामहोपाध्याय डॉ आचार्य हरिशंकर दुबे, संयोजक के के नायकर, अध्यक्ष एडवोकेट ईश्वर सिंह ठाकुर, सचिव डॉ मुकुल तिवारी, मृगेंद्र नारायण सिंह, कोषाध्यक्ष जगदीश पटेल, दिलीप नीखरा, डॉ शोभा सिंग, अज्ञेय शशि, डॉ अनिल कोरी, डॉ विनीता पैगवार, अजय मिश्रा, सुलभा गिरीश बिल्लौरे, राकेश खंपरिया, दुर्गेश व्योहार, उपस्थित रहे, इस अवसर पर दीपक तिवारी लोकराम कोरी, डॉ राजेंद्र नेमा, राजेश नेमा, पंडित के के शुक्ला, सुरेश विचित्र, अरविंद राय उपस्थित रहे

परचम कुशाई के साथ उर्स मुबारक का आगाज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। हजरत सैय्यद अली हसन शाह अशरफी उल जिलानी, घोडा अस्पताल वाले बाबा के उर्स मुबारक के पहले दिन मंगलवार को परचम कुशाई के साथ उर्स का आगाज हुआ। इस दौरान पीर-ए-तरीकत हजरत सूफी मोहसिन मियां कादरी चिश्ती अबुलउलाई की सरपरास्ती मे परचम कुशाई की गयी मोहसिन मियां के साथ मौजूद सभी अकीदतमंदों ने परचम कुशाई के बाद मुल्क की तरक्की और खुशहाली की दुआएं मांगी। उर्स मुबारक के दूसरे दिन बुधवार को सुबह 9 बजे से दरगाह परिसर में कुरान ख्वानी का एहतेमाम किया गया है। इसी के साथ रात्रि 9 बजे नातिया मुशायरा आयोजित किया जाएगा, जिसमें पीर-ए-तरीकत हजरत सूफी मोहसिन मियां कादरी चिश्ती अबुलउलाई की सरपरस्ती में शायर उस्ताद असलम माजिद मक़बूल अली क़ादरी नवाब कौसर मक़बूल ज़फ़र इज़हार रज़ा शाहनवाज़ मेहवर उबैद मुहसिन और अन्य नात खां अपने कलाम पेश करेंगे। दरगाह कमेटी ने सभी अकीदतमंदों से शिरकत की गुजारिश की है। परचम कुशाई की रस्म के दौरान सैय्यद आजाद अली, मुईन खान, खादिम-ए-आस्ताना अब्दुल रशीद, मौलाना सूफी रज़ा कादरी चिश्ती, सलीम खान, सूफी जावेद चिश्ती, पत्रकार मोहम्मद शरीफ, सूफी मुशाहिद कादरी, सूफी बिलाल कादरी, सूफी उवेद मोहसिनी, सूफी आदिल एवं तमाम अकीदतमंदों मौजूद रहे

मेडिकल विश्वविद्यालय का विखंडन वापस ले सरकार – जबलपुर की ऐतिहासिक उपलब्धि से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं

कांग्रेस पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा संभागीय उपायुक्त को ज्ञापन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रस्तावित विखंडन के विरोध में आज संभागीय आयुक्त, जबलपुर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में विश्वविद्यालय को यथावत जबलपुर में बनाए रखने तथा उसकी प्रशासनिक एवं शैक्षणिक क्षमता को और अधिक सुदृढ़ करने की मांग की गई, ज्ञापन संभागीय उपायुक्त श्रीमती दिव्या अवस्थी को सौंपा गया।

ज्ञापन में कहा गया कि मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय की परिकल्पना वर्ष 2003 में की गई थी तथा वर्ष 2011 में इसकी स्थापना हुई। यह विश्वविद्यालय जबलपुर सहित पूरे महाकौशल क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। पिछले लगभग 15 वर्षों में विश्वविद्यालय ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है और वर्तमान में इसके अधीन 100 से अधिक मेडिकल एवं संबद्ध महाविद्यालय, हजारों विद्यार्थी तथा सैकड़ों शिक्षक एवं कर्मचारी कार्यरत हैं।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि किसी स्थापित एवं सुव्यवस्थित विश्वविद्यालय का विभाजन चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने के बजाय प्रशासनिक जटिलताएँ बढ़ाएगा तथा जबलपुर की ऐतिहासिक शैक्षणिक पहचान को कमजोर करेगा। यदि शासन को प्रशासनिक स्तर पर किसी प्रकार की कठिनाई है तो उसका समाधान विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत कर किया जाना चाहिए, न कि उसका विखंडन करके।

कांग्रेस पदाधिकरियों ने कहा कि जबलपुर को वर्ष 2011 में मिली यह अभूतपूर्व उपलब्धि किसी भी स्थिति में छीनी नहीं जानी चाहिए। विश्वविद्यालय का मुख्यालय एवं वर्तमान स्वरूप यथावत रखा जाए तथा प्रदेश की चिकित्सा शिक्षा के हितों को सर्वोपरि मानते हुए विखंडन संबंधी प्रस्ताव तत्काल निरस्त किया जाए।

ज्ञापन के दौरान रिज़वान अली कोटी, बादल पंजवानी, कपिल भोजक, अमित सोनकर, सागर शुक्ला, रिंकू बदलानी, आयुष पहारिया,शफी खान,ज़फर खान, अनुराग शुक्ला, एजाज़ अंसारी, अदील सैय्यद, वक़ार खान, युग ठाकुर आदि उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय परिसर, में नवनिर्मित आर्बिट्रेशन एवं मीडिएशन सेंटर,सिल्वर जुबली हाल का लोकार्पण किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा आज उच्च न्यायालय परिसर, जबलपुर में नवनिर्मित आर्बिट्रेशन एवं मीडिएशन सेंटर,सिल्वर जुबली हाल के प्रथम तल पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वी.सी.) सुविधा तथा गेट क्रमांक-3 के समीप स्थित लिफ्ट क्रमांक-5 का लोकार्पण किया गया।

आर्बिट्रेशन एवं मीडिएशन सेंटर में चार अत्याधुनिक आर्बिट्रेशन कक्ष एवं चार पूर्णतः सुसज्जित मीडिएशन कक्ष स्थापित किए गए हैं, जो वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इन कक्षों में आधुनिक तकनीकीय अधोसंरचना एवं आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे मध्यस्थता एवं पंचनिर्णय की कार्यवाही अधिक प्रभावी, गोपनीय एवं सुगम वातावरण में संपन्न हो सकेगी।

प्रथम तल पर स्थापित नवीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वी.सी.) सुविधा में तीन स्वतंत्र वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष स्थापित किए गए हैं, जिनमें एक ही समय पर तीन अधिवक्ता विभिन्न न्यायालयों के समक्ष वर्चुअल माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। यह सुविधा अधिवक्ताओं के समय की बचत करने के साथ-साथ न्यायिक कार्यवाही को अधिक दक्ष एवं सुगम बनाएगी। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं एवं न्यायालय में आने वाले पक्षकारों की सुविधा के लिए निर्मित लिफ्ट क्रमांक-5 का भी लोकार्पण किया गया। यह लिफ्ट विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं अन्य न्यायालय उपयोगकर्ताओं के लिए आवागमन को अधिक सुगम बनाएगी। लोकार्पण समारोह माननीय श्री न्यायमूर्ति आनंद पाठक एवं माननीय श्री न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल, न्यायाधीशगण,मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री धर्मेन्द्र सिंह, रजिस्ट्रार जनरल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, अन्य रजिस्ट्रारगण, न्यायिक अधिकारी, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, अधिवक्तागण तथा न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आधुनिक न्यायिक अधोसंरचना एवं तकनीक का समुचित उपयोग न्याय तक सरल, त्वरित एवं प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करने का आधार है। उन्होंने कहा कि आर्बिट्रेशन एवं मीडिएशन जैसी वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणालियों को प्रोत्साहित करने तथा डिजिटल सुविधाओं का विस्तार करने से न्याय वितरण प्रणाली और अधिक प्रभावी, सुलभ एवं जनोन्मुखी बनेगी।

आर्बिट्रेशन एवं मीडिएशन सेंटर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा एवं लिफ्ट क्रमांक-5 का लोकार्पण मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा न्यायिक अधोसंरचना के आधुनिकीकरण, वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा अधिवक्ताओं एवं न्यायालय के अन्य हितधारकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

डुमना विमानतल से अधारताल स्थित निवास तक निकली भव्य स्वागत रैली

इंडियन आइडल के प्रथम रनरअप तनिष्क शुक्ला का जबलपुर में ऐतिहासिक स्वागत

शहरभर में हुआ आत्मीय अभिनंदन- शॉल, श्रीफल, पगड़ी और पुष्पवर्षा से हुआ सम्मान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। देश के लोकप्रिय गायन रियलिटी शो इंडियन आइडल के प्रथम रनरअप एवं संस्कारधानी के गौरव तनिष्क शुक्ला का मंगलवार को जबलपुर आगमन पर अभूतपूर्व स्वागत किया गया। डुमना विमानतल से अधारताल स्थित उनके निवास तक भव्य स्वागत रैली निकाली गई, जिसमें हजारों प्रशंसकों, युवाओं और सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे मार्ग में जगह-जगह स्वागत मंच बनाकर फूल-मालाओं, पुष्पवर्षा और जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया गया।

सामाजिक संस्थाओं ने किया सम्मान =

स्वागत रैली के दौरान शहर की अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक संस्थाओं ने तनिष्क शुक्ला का शॉल, श्रीफल, पगड़ी एवं सम्मान पट्टा पहनाकर अभिनंदन किया। नागरिकों ने उनकी इस उपलब्धि को जबलपुर और मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय बताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आवास पर उमड़ा प्रशंसकों का सैलाब =

अधारताल स्थित तनिष्क शुक्ला के निवास पर भी देर तक शुभचिंतकों और प्रशंसकों का तांता लगा रहा। महिलाओं, युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों में विशेष उत्साह देखने को मिला। हर कोई तनिष्क की एक झलक पाने और उनके साथ सेल्फी लेने को उत्सुक नजर आया।जबलपुर उत्तरप्रदेश-बिहार महासंघ, जबलपुर कलचुरी महासभा, त्रिपुरी वरिष्ठ नागरिक महासंघ, हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र एवं स्टाफ, देवेंद्र छात्रावास रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ, साई मंदिर सिविल लाइन समिति, इलाहाबाद बैंक डिलाइट चौराहा, इंदिरा मार्केट व्यापारी संघ, तहसील चौक में अधिवक्ताओं के द्वारा, अधारताल वूमेन्स क्लब, अधारताल टेंट एसोसिएशन सहित अनेक संस्थाओं ने तनिष्क का वार्मफुल वेलकम किया।

किसी प्रशंसक को नहीं किया निराश =

तनिष्क शुक्ला ने अपने प्रशंसकों का उत्साह देखते हुए किसी को भी निराश नहीं किया। उन्होंने धैर्यपूर्वक सभी के साथ सेल्फी खिंचवाई, शुभकामनाएं स्वीकार कीं और परिवार सहित सभी शुभचिंतकों, नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों का आत्मीय स्वागत और स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया।

जबलपुर का बढ़ाया गौरव – इंडियन आइडल में अपनी मधुर गायकी से देशभर का दिल जीतने वाले तनिष्क शुक्ला ने प्रथम रनरअप बनकर जबलपुर का नाम राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि से शहर में उत्सव जैसा माहौल रहा और हर वर्ग के लोगों ने अपने होनहार कलाकार का दिल खोलकर स्वागत किया।

प्रशंसकों ने दी शुभकामनाएं =

स्वागत के दौरान उपस्थित लोगों ने तनिष्क शुक्ला के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर भारतीय संगीत जगत में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। पूरे आयोजन के दौरान उत्सव जैसा माहौल बना रहा और शहर ने अपने होनहार कलाकार का दिल खोलकर स्वागत किया।

जनसुनवाई में 97 आवेदन हुए प्राप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। -कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साप्ताहिक जनसुनवाई में आज नागरिकों से कुल 97 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 39 दोबारा आए आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में आए आवेदनों में शासकीय भूमि में अतिक्रमणए कब्जाए आदेश के बावजूद मकान खाली नहीं करनेए नामांतरणए मृत्यु सहायता राशिए खसरे से नाम विलोपित करनेए जानलेवा हमलाए पीएम आवास में फर्जी पंचनामा देनेए दुकान आवंटनए मुआवजा राशि नहीं मिलनेए पेंशनए अनुग्रह सहायता राशिए संबल योजना में सहायता राशिए कच्ची नाली निर्माण करानेए गलत ऑपरेशन होनेए घर पर चोरी हो जानेए सीमांकनए संपत्ति को चिन्हित नहीं करने से संबंधित रहे। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर नीता राठौरए रविशंकर रायए ए के सिंहए शैलेंद्र सिंह तथा सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जबलपुर। थाना सिहोरा में सुबह प्रकाश राजपूत उर्फ टाईगर उम्र 32 वर्ष निवासी नया बस स्टेण्ड सिहोरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मोहल्ले का गोलू चौहान 2-3 दिन पहले उसे तथा उसकी पत्नी को कंकाली मोहल्ला मजदूरी करने के लिये ले गया था जो पैसा नहीं दिया इसी बात को लेकर आज सुबह लगभग 8 बजे वह बबुआ चाय की दुकान के पास चाय पी रहा था तभी गोलू चौहान आकर उससे शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगा, पैसे देने से मना करने पर गाली गलौज करने लगा, गालियां देने से मना करने पर गोलू चौहान उसके साथ मारपीट कर

जबलपुर आ रहा कोयले से भरा ट्रक कटंगी रोड पर पलटा, केबिन में फंसे ड्राइवर-कंडेक्टर, हालत अत्यंत गंभीर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। दमोह से कोयला लेकर आ रहा ट्रक कटंगी रोड पर आज दोपहर एक बजे के लगभग अनियंत्रित होकर पलट गया, ट्रक पलटने से पूरा कोयला सड़क पर बिखर गया, जिससे जाम के हालात निर्मित हो गए। वहीं ड्राइवर व कंडेक्टर ट्रक के अंदर ही फंसे रहे, मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को बाहर निकालकर मेडिकल अस्पताल पहुंचाया। जहां पर हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है।

बताया गया है कि दमोह से कोयल लोड करके ट्रक चालक जबलपुर के लिए रवाना हुआ। जब वह सिंग्रामपुर में बाबा स्थल से कटंगी की ओर बढ़ रहा था। तभी तेज गति से लहराती हुई

कार को बचाने के चक्कर में चालक मोनू धनगर ने ट्रक को झटके से किनारे किया। जिससे वह अपना संतुलन खो बैठा और ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक पलटते देख आसपास के गुजर रहे लोगों में चीख पुकार मच गई। लोगों ने तत्काल पुलिस को इस बात की खबर दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि चालक व परिचालक भरत यादव उम्र 24 वर्ष निवासी ललितपुर उत्तर प्रदेश खून से लथपथ ट्रक के केबिन के अंदर ही फंसे है। दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से कांच तोड़कर बाहर निकाला और कटंगी अस्पताल पहुंचाया। जहां पर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया, जहां पर डाक्टरों ने भरती कर लिया। मेडिकल में दोनों की हालत अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं घटना के बाद दमोह-जबलपुर रोड पर जाम के हालात निर्मित हो गए थे, दोनों ओर वाहनों की लाइन लगी रही। पुलिस ने केन की मदद से ट्रक को हटवाया, कोयला अलग कराया, करीब एक घंटे बाद वाहनों की आवाजाही शुरु हो सकी।

पट्टा दिलाने के नाम पर रु.19 हजार की रिश्वत लेते ग्राम रोजगार सहायक रंगेहाथ गिरफ्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर। जबलपुर लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बरगी क्षेत्र के ग्राम तिनसी में पदस्थ ग्राम रोजगार सहायक दिलीप कुमार साहू को ?19 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोपी जमीन के पट्टे के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के एवज में रिश्वत मांग रहा था।

लोकायुक्त के अनुसार, ग्राम तिनसी निवासी राजकुमारी परस्ते (36) ने मकान निर्माण के लिए पंचायत से जमीन का पट्टा दिए जाने का आवेदन किया था। आरोप है कि आवेदन पर कार्रवाई करने के बजाय ग्राम रोजगार सहायक ने एनओसी जारी करने के लिए ?20 हजार की रिश्वत मांगी। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी ?19 हजार लेने पर सहमत हो गया।

शिकायत सही पाए जाने के बाद लोकायुक्त टीम ने सोमवार, 27 जुलाई 2026 को ग्राम पंचायत भवन तिनसी में ट्रैप कार्रवाई की। जैसे ही आरोपी ने फरियादी से ?19 हजार की रिश्वत ली, टीम ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7, 13(1)(बी) एवं 13(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्रवाई का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक रेखा प्रजापति ने किया। टीम में निरीक्षक राहुल गजभिये सहित लोकायुक्त संगठन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

लोकायुक्त संगठन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई शासकीय अधिकारी या कर्मचारी किसी भी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी शिकायत तत्काल लोकायुक्त कार्यालय या हेल्पलाइन पर करें, ताकि भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

कोतवाली में पुराना मकान ढहा, मलबे में दबकर तीन लोग घायल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कोतवाली में अंजलि समोसा के पीछे स्थित एक पुराना मकान सोमवार को अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में मलबे की चपेट में आने से तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचा तथा स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को मलबे से बाहर निकालकर तत्काल उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार मकान काफी जर्जर स्थिति में था। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लिंग परीक्षण, अवैध गर्भपात का आरोप, दोनों सेंटर सील

दो सोनोग्राफी सेंटरों पर पुलिस-स्वास्थ्य विभाग का छापा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर में पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार 27 जुलाई की शाम एक बड़े संयुक्त अभियान में दो सोनोग्राफी सेंटरों पर छापा मारकर उन्हें सील कर दिया। प्रारंभिक जांच में लिंग परीक्षण, रिकॉर्ड में गड़बड़ी और अवैध गतिविधियों के संकेत मिलने पर दस्तावेज जब्त किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर सेंटर संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनु बेनीवाल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओमती थाना क्षेत्र में अंजुमन स्कूल के सामने संचालित डॉ. राजेंद्र अग्रवाल के सोनोग्राफी सेंटर में लंबे समय से अवैध रूप से लिंग परीक्षण किया जा रहा है। सूचना के आधार पर सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी की टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। इसी दौरान अधारताल स्थित उनके दूसरे सोनोग्राफी सेंटर पर भी एक साथ छापा मारा गया। रिकॉर्ड व दस्तावेज जब्त

किए कार्रवाई के समय दोनों सेंटरों पर कई गर्भवती महिलाएं मौजूद थीं। जांच के दौरान टीम ने रजिस्टर, रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। प्रारंभिक जांच में रिकॉर्ड में कई अनियमितताएं सामने आईं। अधिकारियों के अनुसार रजिस्टर में दर्ज कई महिलाओं की उम्र कम पाई गई, जबकि कुछ मामलों में नाम और पते भी संदिग्ध मिले हैं। एएसपी अनु बेनीवाल ने बताया कि जब्त दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। रजिस्टर में दर्ज महिलाओं के नाम, पते और मोबाइल नंबरों के आधार पर उनसे भी पूछताछ की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद सेंटर संचालक के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

जांच के दौरान अवैध लिंग परीक्षण और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों से जुड़े तथ्यों की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने दोनों सोनोग्राफी सेंटरों को सील कर दिया है। पुलिस का मानना है कि शहर में इस तरह के अन्य मामलों की भी जांच की जाएगी। यदि जांच में नियमों के उल्लंघन या अवैध गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रांझी में चले चाकू, युवक पर हमला कर बदमाश फरार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रांझी थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए पैसे नही देने पर एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार गांधी व्यायाम शाला के पास रांझी निवासी 21 वर्षीय शैलेन्द्र चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ग्राउंड जा रहा था। जैसे ही वह सुशील के घर के सामने सड़क पर पहुंचा, वहां अविनाश मेहतो शराब पी रहा था। शिकायत के मुताबिक अविनाश मेहतो ने शैलेन्द्र से शराब पीने के लिए ?200 मांगे। जब शैलेन्द्र ने पैसे देने से इनकार किया तो आरोपी भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने चाकू निकालकर शैलेन्द्र पर हमला कर दिया। हमले में उसके बाएं हाथ की कलाई पर चोट आई। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया।

चलती कार छोड़ जंगल में भागा शराब तस्कर पुलिस ने 200 से ज्यादा पौवे और कार जब्त की

जबलपुर। पाटन थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 200 से अधिक शराब के पौवों से भरी एक कार जब्त की है। पुलिस की घेराबंदी देखकर आरोपी चालक ने फिल्मी अंदाज में चलती कार से छलांग लगा दी और जंगल की ओर भाग निकला। पुलिस ने वाहन और अवैध शराब को कब्जे में लेकर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पाटन पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहपुरा की ओर से ग्रे रंग की टोयोटा अल्टिस कार में बड़ी मात्रा में अवैध शराब लेकर एक कारोबारी पाटन की ओर आने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस ने सुरईया तिराहा पर चेकिंग अभियान शुरू कर वाहनों की निगरानी शुरू कर दी। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिए की कार मौके पर पहुंची। पुलिस ने चालक को रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने वाहन रोकने के बजाय कार को रिवर्स कर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने तत्काल उसका पीछा किया। खुद को घिरता देख चालक ने चलती कार से छलांग लगा दी और पास के जंगल की ओर भाग निकला। पुलिस ने उसका पीछा किया, लेकिन वह अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने कार की तलाशी ली, जिसमें 200 से अधिक शराब के पौवे बरामद हुए। पुलिस ने मौके पर ही पूरी शराब की खेप और कार को जब्त कर लिया। बरामद शराब की गिनती और कीमत का आकलन किया जा रहा है।

देशी थैले में अंग्रेजी शराब की सप्लाई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अवैध रूप से शराब बेचने पर नकेल कसी नहीं जा पा रही है। इससे कहीं न कहीं अवैध रूप से शराब विक्रय के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला गोरखपुर के लोधी मोहल्ला में सामने आया है, जहां सोमवार की रात थैले में अंग्रेजी शराब भरकर उसे सप्लाई किया जा रहा था। पुलिस ने छापा मारा। पुलिस को देखकर रात के अंधेरे में आरोपी भाग निकला। पुलिस ने अंग्रेजी शराब जब्त की। गोरखपुर थाना प्रभारी नितिन कमल ने बताया कि सोमवार चौकी रामपुर अन्तर्गत मुखबिर से सूचना मिली कि लोधी मोहल्ला असरानी डाक्टर के बाजू वाली गली गोरखपुर बाजार में मोनू सबलोक अपने एक साथी के साथ अवैध रूप से शराब बेचने के लिये रखा है। सूचना पर मुखबिर

के बताये स्थान पर दबिश दी। मोनू सबलोक पुलिस को देखकर अपने साथी के साथ अंधेरे का फायदा उठाते हुये अपने बैग व थैलों को छोड़कर भाग गया।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित समाधान में जबलपुर नगर निगम ने मारी बाजी, मिला ए-ग्रेड

जबलपुर- नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण में नगर पालिक निगम जबलपुर ने प्रदेश भर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सीएम हेल्पलाइन 181 पर दर्ज शिकायतों के समाधान के मामले में जबलपुर नगर निगम को राज्य स्तर पर %-ग्रेड% प्राप्त हुआ है।

?माह जून 2026 में नगर निगमों की श्रेणी के अंतर्गत जबलपुर नगर निगम ने 99.25त्न वेटेज स्कोर हासिल कर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है। नगरीय प्रशासन एवं विकास, मध्य प्रदेश शासन के आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा इस सफलता पर जबलपुर नगर निगम को आधिकारिक प्रशंसा-पत्र जारी किया गया है। शासन द्वारा निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार सहित नगर निगम जबलपुर की पूरी टीम, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निष्ठा और व्यक्तिगत रुचि लेकर जनसमस्याओं को सुलझाने के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की गई है। आशा है कि भविष्य में भी सभी अधिकारी और कर्मचारी इसी निष्ठा व समर्पण से कार्य करते हुए अपने निकाय को उत्कृष्ट स्थान पर बनाए रखेंगे।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 167/ 2026-27 - दिनांक 27.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री अरविन्द कुमार सिंह, पिता- राजबहादुर सिंह** ने भवन क्रं. प्लाट नं. 94/14/7 (5) पिन क्र. 1000588304 **वार्ड क्र. 69, वार्ड चन्द्रशेखर आजाद वार्ड**, के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी डॉ. तिलक राज ढीगरा, पिता स्व. श्री नारायण दास ढीगरा, क्षेत्रफल भूमि 1092 व.फु. भूमि प्लाट का भाग, **विक्रयपत्र,आधार कार्ड**, के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 166/ 2026-27 - दिनांक 27.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री अरविन्द कुमार सिंह, पिता- राजबहादुर सिंह** ने भवन क्रं. प्लाट नं. 94/14/7 (5) पिन क्र. 1000588304 **वार्ड क्र. 69, वार्ड चन्द्रशेखर आजाद वार्ड**, के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) पंजीकृत स्वामी डॉ. तिलक राज ढीगरा, पिता स्व. श्री नारायण दास ढीगरा, क्षेत्रफल भूमि 1092 व.फु. भूमि प्लाट, **विक्रयपत्र,आधार कार्ड**, के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -252 दिनांक 28.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती सुनीता चौरसिया, पति श्री राकेश चौरसिया** ने मकान नं. 865/पी, सम्पत्ति पिन नं. 1000604762 **वार्ड विवेकानंद- 21 वार्ड**, कुल क्षेत्रफल 990 व.फु., भूतल 850 व.फु., **विक्रयपत्र, खसरा पी-1,पी-2** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -251 दिनांक 28.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **काबिज - श्रीमती कृति जैन, पति- श्री अशुंल जैन** ने मकान नं. 2572, सम्पत्ति पिन नं. 1000530533 **वार्ड वीरेन्द्रपुरी-02 वार्ड**, कुल क्षेत्रफल 870 व.फु., भूतल 870 व.फु., प्रथमतल 550 व.फु., **शपथपत्र, चुकतानामा** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/09/2026-27/ एम/923/ दिनांक 28.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री धमेन्द्र सिंह ठाकुर, पिता- निरंजन सिंह ठाकुर** ने मकान नं. 2451 पिन नं. 1000473434 **वार्ड सेठ गोविन्द दास वार्ड**, भूतल आर.सी.सी. 200 व.फु. किरायेदारी, आर.सी.सी. 89 व.फु. व्यवसयिक दुकान, प्रथमतल आर.सी.सी. 200 व.फु. किरायेदारी, **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 2451 मंगला बैटरी के सामने पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/09/2026-27/ एम/922/ दिनांक 28.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती हिमांशी मंगलानी,पति- दीपेश मंगलानी** ने मकान नं. 2658 पिन नं. 1000472276 **वार्ड सेठ गोविन्द दास वार्ड**, भूतल आर.सी.सी. 512.5 व.फु. स्वय रहवास, आर.सी.सी. 100 व.फु. कमर्शियल, प्रथमतल आर.सी.सी. 387 व.फु. स्वय रहवास, **खसरा, विक्रयपत्र, तहसीलदार आदेश रांझी,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 2658 गोपाल होटल रोड पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/09/2026-27/ एम/921/ दिनांक 28.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्रीमती दीपा जगवानी, पति- नारायण दास, 2. श्री राहुल जगवानी, पिता- नारायण दास** ने मकान नं. 2657 पिन नं. 1000472276 **वार्ड सेठ गोविन्द दास वार्ड**, भूतल आर.सी.सी. 512.5 व.फु. स्वय रहवास, आर.सी.सी. 100 व.फु. कमर्शियल, प्रथमतल आर.सी.सी. 387 व.फु. स्वय रहवास, **खसरा, विक्रयपत्र, तहसीलदार आदेश रांझी,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 2657 गोपाल होटल रोड पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096